

पानीपत का युवक टिंडर के चक्कर में एचआईवी पॉजीटिव हुआ
ऑनलाइन डेटिंग एप पर दूसरे युवक से मिला, 'गे' संबंध बनाए, 2 बच्चों का पिता
पानीपत, एजेंसी। अगर आप दोस्त बनाने के लिए ऑनलाइन डेटिंग एप का सहारा लेते हैं, तो सावधान होने की जरूरत है। पानीपत में 2 बच्चों का पिता ऐसे ही एप से एक गे (समलैंगिक पुरुष) के संपर्क में आया। उसे पानीपत बुलाकर कई बार अननेचुरल संबंध बनाए। कुछ दिन बाद पता चला कि वह HIV संक्रमित हो गया है।
इस केस से सिविल अस्पताल के एंटी-रेट्रोवायरल थैरेपी (ART) सेंटर के डॉक्टर और काउंसलर भी हैरान हैं। उनका कहना है कि मेल टू मेल संबंध बनाने से HIV संक्रमण फैलने का हर महीने औसतन 1 केस आ रहा है। ऑनलाइन डेटिंग एप से जुड़ कर संक्रमण होने का यह पहला केस है।
काउंसलिंग के दौरान पीड़ित ने बताया कि उसने ऑनलाइन डेटिंग एप टिंडर पर 'गे' से दोस्ती की। उसके बाद असुरक्षित यौन संबंध बनाए। कई बार एप से 'गे' को बुलाया। कुछ समय बाद उसे डायरिया की शिकायत हुई, जो ठीक नहीं हो रही थी।

नौसेना डॉकयार्ड को उड़ाने की धमकी, मुंबई पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार
मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुंबई में रविवार (16 नवंबर, 2025) को नौसेना के डॉकयार्ड को धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। डॉकयार्ड के दो कर्मचारियों ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन कर धमकी दी थी। इस पर कार्रवाई करते हुए मुंबई पुलिस ने दोनों शख्स का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान सामने आया कि धमकी देने वाला शख्स उस समय नशे में था और डॉकयार्ड का ही कर्मचारी था। उसके साथ एक शख्स को भी पूछताछ के लिए लाया गया था। वह व्यक्ति भी उसी डॉकयार्ड का कर्मचारी था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों लोगों ने शराब के नशे में धमकी भरा फोन किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई पुलिस ने फजी धमकी देने के मामले में जहागीर शेख नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि धमकी देने वाले व्यक्ति के खुद आंध्र प्रदेश में होने की बात कही थी। उसने कॉल कर दावा किया कि किसी और ने उसे इस हमले की जानकारी दी है। धमकी मिलते ही पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां चौकड़ी हो गईं और तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए।

मेक्सिको में भ्रष्टाचार के खिलाफ हजारों GenZ का प्रदर्शन,मेयर की मौत से गुस्साए

राष्ट्रपति निवास की दीवारें गिराईं; पुलिस पर हथौड़े-लाठियों से हमला

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में शनिवार को हजारों तड़तड़ बहते अपराध, भ्रष्टाचार, हिंसा में मिल रही छूट, सार्वजनिक हत्या और सुरक्षा की कमी के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। यह गुस्सा एक मेयर की सार्वजनिक हत्या के बाद और भड़क गया। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य मिचोआकेन में 1 नवंबर को उरुअपन के मेयर कार्लोस मंजो की एक प्रोग्राम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गुस्साए GenZ ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास नेशनल पैलेस की सुरक्षा दीवारों को गिरा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर



GenZ की मांग- सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर हो
इस साल कई देशों में जेन जेड युवा असमानता, लोकतंत्र की गिरावट और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। नेपाल में सितंबर में सोशल मीडिया बैन के बाद बड़ा प्रदर्शन हुआ, जिससे प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। मेक्सिको में भी युवा भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों में मिल रही छूट से परेशान हैं। 29 साल के बिजनेस कंसल्टेंट एंड्रेस मासा ने कहा, हमें ज्यादा सुरक्षा चाहिए। प्रदर्शन में सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि मध्यम आयु और बुजुर्ग वर्ग के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। 43 वर्षीय चिकित्सक एरिजबेथ गार्सिया ने बताया, हम सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए ज्यादा फंडिंग चाहते हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा है।

पथरों, हथौड़े, पटाखों, लाठियों रोکنे के लिए पुलिस ने आंसू और जंजीरों से हमला किया। इन्हें गैस छोड़ी।



नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को साफ कर दिया है कि आधार कार्ड को केवल पहचान साबित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, नागरिकता साबित करने के लिए नहीं। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष संशोधन को लेकर उठी कानूनी बहस के बीच आयोग ने यह स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस संबंध में जरूरी निर्देश पहले

ही जारी किए जा चुके हैं। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आधार को कानूनी सीमाओं पर न्यायालय पहले ही स्पष्ट राय दे चुका है। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को ही स्पष्ट कर दिया था कि मतदाता सूची के अद्यतन के दौरान आधार कार्ड का उपयोग केवल पहचान स्थापित करने के

स्कूल लेट आने की खौफनाक सजा बच्ची को स्कूल बैग टांगकर 100 उठक-बैठक कराई, इलाज के दौरान मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के वसई में एक दुखी करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यहां एक स्कूल में 10 मिनट देरी से आने पर अध्यापक ने 13 साल की बच्ची को बैग कंधे पर टांगकर 100 उठक-बैठक करने की सजा दी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इससे बच्ची की तबीयत खराब हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
क्या है पूरा मामला : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 8 नवंबर की है, जब वसई के श्री हनुमंत विद्या मंदिर में कक्षा 6 में पढ़ने वाली कक्षा छह की छात्रा काजल गौड़ को देरी से स्कूल आने पर अध्यापक ने सौ उठक-बैठक लगाने की सजा दी। उठक-बैठक लगाने के बाद काजल के कमर में दर्द होने लगा। बच्ची की मां ने बताया कि स्कूल से आने के बाद उसने तबीयत खराब होने की शिकायत की। इसके बाद उसे वसई के एक अस्पताल में भर्ती



बच्ची की मां की शिकायत पर मामला दर्ज
बच्ची की मां ने अध्यापक और स्कूल प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने फिलहाल दुर्घटनाग्रस्त मौत का मामला दर्ज कर लिया है और अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद थाराए बदली जा सकती हैं। इस मामले में मनसे की भी एंटी हो गई है। मनसे कार्यकर्ताओं ने घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल पहुंचकर स्कूल में ताला लगा दिया। वहीं एनसीपी एस्पपी के नेताओं ने भी स्कूल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कराया गया, जहां से उसे एक अन्य अस्पताल में और फिर जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लिए किया जा सकता है। इसके आधार पर आयोग ने 9 सितंबर 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश जारी किए थे कि आधार को नागरिकता प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया निर्वाचन सूची में नाम जोड़ने या हटाने के दौरान पालन की जानी अनिवार्य है।
आधार उपयोग पर दायर याचिका : यह जवाब उस इंटरलोक्यूटरी आवेदन पर दिया गया, जिसमें अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने मांग की थी कि आधार का उपयोग केवल पहचान प्रमाण और प्रमाणिकरण के लिए ही सुनिश्चित किया जाए।

दिल्ली ब्लास्ट: आतंकियों को फंडिंग करने वाले 2 पकड़े

● इनमें 1 अल फलाह यूनिवर्सिटी का इलेक्ट्रीशियन भी; जम्मू-कश्मीर में रोहतक की डॉक्टर से पूछताछ

फरीदाबाद/ झज्जर/ नूंह, एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के सामने बम ब्लास्ट के बाद फरीदाबाद और नूंह में आतंक का नेटवर्क लगातार सामने आ रहा है। इसे तोड़ने के लिए NIA समेत अन्य जांच एजेंसियां और क्राइम



ब्रांच की टीमें लगातार मस्जिद, किराएदारों के कमरे, खाद-बीज की दुकानें, कारों की बिक्री

अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े और डॉ. उमर, डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन के संपर्क में आए 200 लोग रडार पर हैं। इसी कड़ी में रविवार को टीम ने नूंह शहर की हयात कॉलोनी से दो और लोगों को हिरासत में लिया है। इनके नाम रिजवान और शोएब हैं। शोएब अल फलाह यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रीशियन था। दोनों पर आतंकी मामले में फंडिंग करने का आरोप है। जांच में नूंह के दो नेताओं के नाम भी सामने आ रहे हैं।

थरुर बोले- आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ,अब दिल्ली-मुंबई तक फैल गया
फारूक ने कहा था- हर कश्मीरी पर उंगली उठाई जा रही
श्रीनगर, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने कहा रविवार को कहा, आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ और धीरे-धीरे मुंबई, पुणे, दिल्ली तक फैल गया है। भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा है। अब इस पर कठोर और असरदार एक्शन की जरूरत है। उन्होंने कहा- हर आतंकी घटना में दो चीजें बेहद अहम होती हैं। यह पता लगाना कि वारदात किसने और क्यों की और ऐसे हमलों को दोबारा होने से रोकने के उपाय। हर मुद्दे को युद्ध और शांति के चरम से नहीं परखा जा सकता। आतंकवाद पर सख्ती जरूरी है, लेकिन देश के विकास के बड़े लक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग का जवाब आधार सिर्फ पहचान का दस्तावेज, नागरिकता का नहीं...



आधार नागरिकता, निवास या जन्म का प्रमाण नहीं
चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि यूआईडीएआई ने अगस्त 2023 में जारी कार्यालय ज्ञापन में स्पष्ट कर दिया था कि आधार कार्ड ना तो नागरिकता का प्रमाण है, ना निवास का और ना ही जन्मतिथि का। आयोग ने कहा कि इसी हलुका हवाला बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी दिया था, जिसमें कहा गया था कि जन्मतिथि साबित करने की जिम्मेदारी आधार धारक पर ही रहती है। आयोग ने बताया कि अदालत के आदेश और यूआईडीएआई दोनों ही स्पष्ट रूप से यह तय करते हैं कि आधार को सीमित भूमिका में ही इस्तेमाल किया जा सकता है।

मेडिकल कॉलेजों में खाली पीजी सीट का मामला, तंत्र बनाने की अपील पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट
नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ऐसी व्यवस्था बनाए, जिससे देश के मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर (पीजी) की प्री-क्लिनिकल और पैरा-क्लिनिकल की कोई भी सीट खाली न रहे। याचिका में यह भी कहा गया है कि आयोग पिछले पांच वर्षों में प्री-क्लिनिकल और पैरा-क्लिनिकल पीजी शाखाओं में कितनी सीटें खाली रही हैं, उसका पूरा आंकड़ा भी पेश करे। इस याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन तथा जस्टिस एनवी अंजलिरिया की बेंच करेगी। जनवरी में एक दूसरी याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मेडिकल पाठ्यक्रम की सीट खाली नहीं रहनी चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह राज्यो सहित सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक करे और इस समस्या का हल निकाले। अप्रैल 2023 में भी सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल पाठ्यक्रमों की सुपर-स्पेशियलिटी सीटें खाली रहने पर चिंता जताई थी। उस समय केंद्र सरकार ने सुझाव दिया था कि सभी पक्षों (राज्य, निजी मेडिकल कॉलेज और अन्य प्रतिनिधियों) को मिलाकर एक समिति बनाई जाए, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक करें, ताकि इस समस्या का समाधान निकाला जा सके।

अलग-अलग हादसों में 10 लोगो की मौत ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी फॉर्च्यूनर, 5 की मौत

● ग्वालियर में गाड़ी काटकर निकालने पड़े शव ● मृतकों में एक प्रॉपर्टी कारोबारी का इकलौता बेटा



ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फॉर्च्यूनर सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार ट्रॉली के नीचे घुस गई, जिसकी वजह से कोई भी यात्री बच नहीं पाया। हादसा ग्वालियर-झांसी हाइवे पर शहर से करीब 20 किलोमीटर पहले रविवार सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच हुआ। सभी मृतक ग्वालियर निवासी बताए जा रहे हैं। वे MP07 CG 9006 नंबर की फॉर्च्यूनर में उत्तर प्रदेश के झांसी से एक कार्यक्रम में शामिल होकर ग्वालियर लौट रहे थे। कार जैसे ही मालवा कॉलेज के सामने पहुंची, मोड़ पर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सामने आ गई। तेज रफ्तार होने के कारण ड्राइवर, कार को नियंत्रित नहीं कर सका और कार पीछे से ट्रॉली में घुस गई। शव कार और ट्रॉली के बीच बुरी तरह फंसे हुए थे। पुलिस और स्थानीय निवासियों ने कटर मशीन की मदद से गाड़ी को काटकर शवों को बाहर निकाला।

हादसे में इनकी गईं जान
आदित्य जादौन
राम पुरोहित
क्षितिज उर्फ प्रिंस राजावत
कौशल भदौरिया
अभिमन्यु सिंह
प्रॉपर्टी कारोबारी का इकलौता बेटा
था प्रिंस : फॉर्च्यूनर ग्वालियर के प्रॉपर्टी कारोबारी उमेश राजावत की है। शनिवार रात करीब 9 बजे वेशनिचरा धाम से लौटे थे। उसके इकलौता बेटा प्रिंस राजावत कार ले गया था।

जोधपुर में ट्रक-टेम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत
रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे, 12 लोग घायल, सभी जोधपुर रेफर
बालेसर (जोधपुर), एजेंसी। जोधपुर में ट्रक और टेम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत 12 लोग घायल हैं। घायलों को पहले बालेसर के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से जोधपुर के मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया। सभी गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे। हादसा जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे-125 पर बालेसर (जोधपुर) के पास खारी बेरी गांव में रविवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ। बालेसर थाना प्रभारी मूल सिंह भाटी ने बताया- बालेसर में नेशनल हाईवे-125 पर बाजरे की बोरियों से भरे ट्रक ने टेम्पो को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो का आगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ट्रक आगे जाकर पलट गया।
दो की जोधपुर में इलाज के दौरान मौत :टेम्पो में आगे बैठे महेंद्र ने बताया- टेम्पो सवार सभी लोग गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा जा रहे थे। टेम्पो में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 20 लोग सवार थे। खारी बेरी गांव में हादसा हुआ।



चेन्नई के ओशन इंस्टीट्यूट में समुद्रयान आकार ले रहा,इसके 50प्रतिशत हिस्से स्वदेशी

ये खास वैज्ञानिक पनडुब्बी 4 घंटे में 6किमी. की गहराई में पहुंचेगी

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (NIOT) में समुद्रयान आकार ले रहा है। इस वैज्ञानिक पनडुब्बी के हिस्से असेम्बल हो रहे हैं। दिलचस्प बात है कि पहले समुद्रयान के शत-प्रतिशत पार्ट्स इम्पोर्ट किए जाने थे, लेकिन कोविड और जियो पॉलिटिकल कारणों से पार्ट्स नहीं मिल पाए। नतीजतन, अब 2025 में समुद्रयान के 50त हिस्से भारतीय संस्थानों ने ही तैयार कर लिए। NIOT के उपनिदेशक एस. रमेश ने कहा कि समुद्रयान का बेसिक फंम, मत्स्य-6000, कम्प्यूटिकेशन, नेविगेशन और कंट्रोल सिस्टम सॉफ्टवेयर



भारत में ही विकसित किए गए हैं। कुछ कैमरे, सेंसर, अकॉस्टिक फोन और सिस्टिक फोन आयात करने पड़े। लक्ष्य है कि 2026 में 30 मीटर, 200 मीटर और 500 मीटर की गहराई में समुद्रयान के तीन अलग-अलग रिहर्सल और टेस्ट होंगे। सभी उपकरणों और हर हिस्सों को नावों की एजेंसी डीएनवी (डेट नॉर्सक वेरीटस) से सर्टिफिकेशन हासिल हो चुका है।
समुद्रयान भारत के डीप ओशन मिशन का हिस्सा : समुद्रयान मिशन भारत का पहला मानवयुक्त समुद्र मिशन है, जिसका मकसद मत्स्य-6000 नाम के मानवयुक्त पनडुब्बी में 3 वैज्ञानिकों को समुद्र की 6,000 मीटर की गहराई तक भेजना है। यह भारत के डीप ओशन मिशन

का एक हिस्सा है। इसके तहत समुद्र के संसाधनों और जैव-विविधता का अध्ययन किया जाएगा। 2027 में गगनयान के मानव मिशन के साथ हिंद महासागर में 3 भारतीय एक्वाेनॉट्स समुद्र की गहराई में गोता लगाएंगे।
30 मीटर प्रति मिनट की गति से गहराई में जाकर सैपल लिए जाएंगे : समुद्रयान सागर निधि जहाज से हिंद महासागर पहुंचेगा। 30 मीटर प्रति मिनट की गति से उतरते हुए करीब 4 घंटे में यह 6 किमी की गहराई तक पहुंचेगा। सैपल कलेक्शन, सर्वे, स्कैनिंग और सांस्टिफिक गतिविधियों के लिए चार घंटे मिलेंगे। समुद्रयान के मोबाइल व्हीकल मत्स्य-6000 में एक्वाेनॉट सैपल लेंगे।

आईआईसीए में डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में डिजिटल विकास पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) में आयोजित डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना संस्थान (बीआईएसएजी एन) के विशेष महानिदेशक विनय ठाकुर ने डिजिटल शासन, साइबर सुरक्षा, उत्तर क्रांटम कूटलेखन और भारत की विकसित होती डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना पर कहा कि सुरक्षित प्रौद्योगिकियां और भविष्य के डिजिटल कौशल आज भारत के सामाजिक आर्थिक विकास की जरूरत बन



चुके हैं। आईआईसीए द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव के बीच भावी

पेशेवरों को सुरक्षित और सक्षम तकनीकी समझ विकसित करना समय की मांग है। विनय ठाकुर ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना को विश्व की सबसे मजबूत प्रणालियों में से एक बताया।

सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। ठाकुर ने कहा कि डिजिटल इंडिया केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी आंदोलन है जिसने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम किया है और सेवाओं की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित की है। सत्र के दौरान उन्होंने बढ़ते साइबर खतरों, डेटा संरक्षण के महत्व, डीपीडीपी अधिनियम की जरूरत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित साइबर हमलों के जोखिम और उत्तर क्रांटम कूटलेखन की तत्काल आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल सम्प्रभुता सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी समाधानों का विकास जरूरी है।

वायु प्रदूषण का चरम देख वकील ने हाईकोर्ट से मांगी हाइब्रिड सुनवाई की सुविधा, पत्र लिखकर किया ये दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में कई क्षेत्रों में 450-600 तक दर्ज होने के बीच वरिष्ठ अधिवक्ता विकास पाहवा ने हाईकोर्ट से अस्थायी रूप से हाइब्रिड या पूरी तरह वचुअल सुनवाई शुरू करने की गुहार लगाई है। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय को लिखे पत्र में मांग की ताकि वकीलों, मुवक्किलों और कोर्ट स्टाफ के स्वास्थ्य की रक्षा हो सके। पाहवा ने पत्र में दावा करते हुए बताया कि पीएम 2.5 का स्तर 190 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक हो गया है, जो अनुमेय सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से तीन गुना ज्यादा है। इसे चिकित्सकीय रूप से विषैले और जीवन के लिए खतरा बताया गया है। ऐसे प्रदूषण से हृदय, फेफड़े और मस्तिष्क जैसे महत्वपूर्ण अंगों को अप्रूपणीय क्षति पहुंचती है। वरिष्ठ वकीलों और अस्पमा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है।



पत्र में दावा किया गया है कि कई वकीलों में लगातार खांसी, गले में जलन, सांस लेने में तकलीफ और थकान जैसे लक्षण दिख रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा के हालिया फैसले का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार ने ग्रेडेड रिस्रॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) के स्टेज-3 और स्टेज-4 के तहत निर्माण कार्यों पर रोक, कुछ डीजल वाहनों पर प्रतिबंध, कार्यालय समय में बदलाव और एंटी-स्मॉग गन तैनात करने जैसे आपात उपाय लागू कर दिए हैं। फिर भी कोर्ट परिसर में हजारों वकीलों-मुवक्किलों की अनिवार्य शारीरिक उपस्थिति से उन्हें गंभीर और टालने योग्य स्वास्थ्य जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। पाहवा ने कोविड-19 महामारी के दौरान सफलतापूर्वक अपनाई गई वचुअल व हाइब्रिड व्यवस्था को दोबारा शुरू करने का अनुरोध किया है। इससे जहरीली हवा के संपर्क में कमी आएगी, न्यायिक कार्य सुचारु रहेगा तथा यातायात और उत्सर्जन कम करने में सरकार के प्रयासों को बल मिलेगा।

बम धमाके ने बिगाड़ी शादी सीजन की रौनक

करोड़ों के व्यापार पर फेरा पानी, दिल्ली में ग्राहक ई-शॉपिंग की ओर दौड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किले के पास सोमवार को हुए धमाके का असर चांदनी चौक, सदर बाजार और लाजपत नगर में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। दहशत ऐसी है कि खरीदार मार्केट की भीड़ में घुसने के बजाय ऑनलाइन को प्राथमिकता दे रहे हैं। लोहार और शादी के सीजन में जहां आमतौर पर भारी भीड़ उमड़ती है, वहां सन्नता पसरा है। सदर बाजार के दुकानदारों का कहना है कि यह सीजन हमारे लिए पीक माना जाता है। हमें काफी उम्मीद थी कि इस बार भी अच्छी कमाई होगी लेकिन बीते दिन हुए बम धमाके की तेज आवाज ने बाजार की गति धीमी कर दी है। नवंबर से शादी की खरीदारी शुरू हो जाती है। दूसरे राज्यों से थोक खरीदार और ग्राहक यहां से लाखों की खरीदारी करते हैं लेकिन विफाई के बाद पूरा बाजार ठप है। बाजार व्हाट्सएप पर टिका है। करीब 75त फीसदी कारोबार का नुकसान हुआ है। - आशीष नरुला, लाजपत राय



मार्केट शादियों के सीजन में चांदनी चौक बाजार में करोड़ों का व्यापार होता है लेकिन इस बार आतंकियों की ऐसी नजर लगी कि पूरा बाजार सूना है। इस सीजन में चांदनी चौक बाजार में खरीदार नजर ही नहीं आ रहे हैं। -यश गोयल, चांदनी चौक

1000 करोड़ का कारोबार प्रभावित: दिल्ली उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत गुप्ता के अनुसार दिल्ली के बाजारों का हाल सामान्य होने में यह सप्ताह भी जा सकता है। राज्य के आर्थिकी तंत्र को अभी तक दो दिन में आतंकी धमाके ने करीब एक

हजार करोड़ रुपये प्रभावित किया है। दिल्ली पूरे उत्तर भारत का प्रमुख थोक बाजार है। चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन ब्रूजेस गोयल आशंका जताते हुए कहा कि जैसा माहौल उससे लगता है कि यह प्रभाव 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है। धमाका स्थल से चंद फीट की दूरी पर स्थित लाजपत राय मार्केट की 800 से अधिक दुकानें अभी तक बंद हैं। भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, खारी बावली, दरीबा, नई सड़क, नया बाजार व सदर बाजार में तीसरे दिन भी खरीदार नाम मात्र के हैं।

एमबीए डिग्री होल्डर, बीकॉम का छात्र ठगी करने में लगे थे, 50 लाख से ज्यादा का लगा चुके चूना

नई दिल्ली, एजेंसी। एमबीए होल्डर सुनील कुमार रेड्डी (44) और बीकॉम (तृतीय वर्ष) आयुष सेमवाल (21) ठगी करने में लगे थे। आरोपी 50 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। ये शेरार बाजार में निवेश करकर बड़ा मुनाफा देने का झांसा देकर ठगी करते थे। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दोनों आरोपियों आयुष को नोएडा, उत्तरप्रदेश के सेक्टर-58 और सुनील आंध्रप्रदेश से गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि शेरार बाजार में निवेश के



बहाने एक शिकायतकर्ता से 23,80,490 रुपये की ठगी की गई। आरोपी अनंतपुर, आंध्र प्रदेश निवासी और बिजनेस डेवलपमेंट एजीक्यूटिव सुनील कुमार रेड्डी ने

निवेश सलाहकार बनकर पीड़ित को 15 आर्टीजीएस/एनईएफटी लेनदेन के माध्यम से विभिन्न बैंक खातों में धनराशि स्थानांतरित करा ली। पुलिस ने शिकायत मिलने के

बाद इन खातों को तुरंत फ्रीज कर दिया और पीड़ित के 5,00,000 रुपये रोक दिए। अपराध शाखा की साइबर सेल टीम ने आरोपी को अनंतपुर, आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया। दूसरे मामले में टाटा क्रोमा, लखनऊ में एक निजी कर्मचारी ने काम करने वाला शिकायतकर्ता को ऑनलाइन 26,49,180 रुपये निवेश करा लिए। आरोपी ग्राम चौड़, सेक्टर-22, रघुनाथपुर, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश निवासी आयुष सेमवाल, जो एक कॉल सेंटर में वॉयस प्रोसेस असिस्टेंट के रूप में कार्यरत है।

धमाके वाली जगह मिले प्रतिबंधित कारतूस...

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उस इलाके में जहां हाल ही में कार में धमाका हुआ था, पुलिस को मौके से तीन 9 मिमी कैलिबर के कारतूस मिले हैं। इनमें से दो कारतूस जिंदा हैं, जबकि एक खाली है। यह बरामदगी मामले की जांच में एक नया मोड़ लेकर आई है, क्योंकि 9 मिमी कैलिबर के कारतूस आम नागरिकों के लिए प्रतिबंधित हैं और इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से सुरक्षा बलों या विशेष अनुमति प्राप्त व्यक्तियों द्वारा ही किया जाता है। समाचार एजेंसी एएनआई को दिल्ली पुलिस के सूत्रों से मिली

जानकारी के अनुसार, धमाके की जांच के दौरान घटनास्थल पर गहन तलाशी ली गई। इसी तलाशी अभियान के दौरान ये तीन कारतूस बरामद हुए। इन कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है।

कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है।

विदेशी कर्मियों को सस्ता मजदूर बताकर वीजा खत्म करने की तैयारी, उपराष्ट्रपति वेंस का तीखा बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एच-1बी वीजा पर जारी विवाद अब सियासी बहस का केंद्र बन गया है। भारत के आईटी पेशेवरों के लिए अहम इस वीजा पर अमेरिका में सख्ती की जा रही है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने तीखा बयान देते हुए विदेशी कर्मियों को सस्ता मजदूर बताया व कहा, देश को उनकी जरूरत नहीं। वेंस ने विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी पर आरोप लगाया कि उनका मॉडल कम वेतन पर बाहरी लोगों को लाने पर आधारित है, जिससे अमेरिकियों के रोजगार और वेतन पर सीधा असर पड़ता है।



नीतिगत उलटफेर का दौर: वीजा नीतियों को लेकर ट्रंप प्रशासन का रुख अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर असर छोड़ रहा है। हाल ही में ट्रंप ने कहा था कि यदि विदेशी छात्रों की संख्या में कमी आई, तो आधे कॉलेज बंद हो जाएंगे। यह बयान ऐसे समय आया है, जब छह माह पूर्व अमेरिकी सरकार ने विदेशों में नए छात्र वीजा इंटरव्यू

पर रोक लगा दी थी। इन दिनों ट्रंप प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर नीतिगत उलटफेर का दौर जारी है। इसके चलते सुरक्षा मानक काफी सख्त कर दिए गए हैं। **भारतीय छात्रों की संख्या में रिकॉर्ड 70 फीसदी की गिरावट:** नई नीतियों के कारण अमेरिकी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 70% तक गिर गई है। वीजा स्लॉट न मिलने, अचानक बढ़े रिजेक्शन और सख्त सुरक्षा जांच के चलते कई भारतीय छात्रों ने कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप जैसे देशों की ओर रुख किया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के पांच लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद (पाकिस्तान), एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को बन्नू और लक़ी मरवत जिलों में संयुक्त अभियान में पांच लड़ाकों को मार गिराया। पांचों का संबंध प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बताया गया है। द एक्सप्रेस टिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस अभियान का लक्ष्य तख़्ती खेल और होवैद के सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी को निशाना बनाना था। यह अभियान बन्नू के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी सज्जद खान के नेतृत्व में स्थानीय लोगों के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान के दौरान सभी पुलिसकर्मों सुरक्षित रहे। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षकजुलफिकार हमीद ने बन्नू और लक़ी मरवत पुलिस की अभियान की सफ़ाता के लिए सराहना की है।



उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट शहर में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना राज्य के मैकलेनबर्ग काउंटी के शहर चार्लोट में संघीय आब्रजन एजेंटों ने शनिवार को कार्रवाई शुरू की है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएफएस) ने कहा कि चार्लोट में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। इसे आधिकारिक तौर पर चार्लोट्स वेब नाम दिया गया है। इस शहर को शार्लोट को भी कहा जाता है। सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, गृह सुरक्षा विभाग का मुख्य जिम्मेदारी आतंकवाद, सीमा सुरक्षा, आब्रजन और साइबर आदि के विषय खतरों से देश को सुरक्षित रखना है। यह अभियान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अवैध आब्रजन पर की जा रही कड़ी कार्रवाई का नया लक्ष्य है। गृह सुरक्षा विभाग



ने कहा कि चार्लोट को अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों से खाली कराया जाएगा। इस अभियान की तैयारी पिछले सप्ताह शुरू की गई थी। गृह सुरक्षा

विभाग की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉचलिन ने कहा, अभियान का लक्ष्य अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षा कवच प्रदान करना है। इन लोगों से सार्वजनिक सुरक्षा को

खतरा पैदा हो गया है। शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में बॉर्डर पेट्रोल एजेंट चार्लोट क्षेत्र में अवैध रूप से रहे प्रवासियों को गिरफ्तार

करते दिखाए गए हैं। इस अभियान में बख़्तरबंद वाहन और विशेष अभियान दल भी शामिल हो सकते हैं। ट्रंप प्रशासन के इस अभियान की चार्लोट के मेयर वी लाइल्स और उत्तरी कैरोलिना के डेमोक्रेटिक अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। लाइल्स ने अन्य स्थानीय नेताओं के साथ संयुक्त बयान में कहा कि यह अभियान अनावश्यक भय और अनिश्चितता पैदा कर रहा है। चार्लोट दक्षिण-मध्य उत्तरी कैरोलिना में पीडोमॉट क्षेत्र में कैटावबा नदी के ठीक पूर्व में स्थित है। यह उत्तरी कैरोलिना का सबसे बड़ा और अमेरिका का 14वां सबसे बड़ा शहर है। चार्लोट में अभियान पूरा होने के बाद यह कार्रवाई न्यू ऑरलियन्स पर शुरू हो सकती है।

थाईलैंड : अमेरिका में वांछित रूसी हैकर फुकेत से गिरफ्तार, यूरोपीय और पश्चिमी देशों को बनाता था निशाना

थाईलैंड, एजेंसी। रूस के एक व्यक्ति को थाईलैंड के फुकेत द्वीप से गिरफ्तार किया गया है। उस पर साइबर अपराध के आरोप हैं और अमेरिका को लंबे समय से उसकी तलाश थी। सीएसएन ने थाईलैंड की पुलिस के एक बयान के हवाले से यह जानकारी दी। थाईलैंड की पुलिस के मुताबिक, डेनिस ओब्रेजको (35 वर्षीय) कुख्यात साइबर जासूसी गिरोहवॉइड विलजार्ड का हिस्सा था। माइक्रोसॉफ्ट ने इस गिरोह की ऐसे हैकर समूह के रूप में पहचान की, जो क्रैमलिन के हितों के लिए हैकिंग करता है। ओब्रेजको को छह नवंबर को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और थाईलैंड के अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई में पकड़ा गया। थाईलैंड के साइबर अपराध जांच ब्यूरो (सीसीआईबी) के मुताबिक, वह गिरफ्तारी से केवल एक हफ्ते पहले ही फुकेत पहुंचा था। सीसीआईबी ने शुक्रवार को कहा, इस व्यक्ति ने पहले भी यूरोप और अमेरिका की सरकारी एजेंसियों की सुरक्षा प्रणालियों को भेदा और उन पर हमला किया है। उससे अब बैंकों के अपराध न्यायालय में रखा जाएगा, जहां से उसे अमेरिका प्रत्यर्पित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। पुलिस ने बताया कि उसे फुकेत के एक होटल कमरे से पकड़ा गया, जहां से उसका लैपटॉप, मोबाइल फोन और डिजिटल वॉलेट जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं, जिनकी फॉरेंसिक जांच होगी। रूस ने भी इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। थाईलैंड में रूसी दूतावास के राजनयिक इलिया इलिन ने कहा है कि फुकेत में अमेरिकी अधिकारियों के निर्देश पर एक रूसी नागरिक को साइबर अपराध के शक में पकड़ा गया है। माइक्रोसॉफ्ट ग्रेट इंटेलेजेंस (एफटीआई) पहले ही वॉइड विलजार्ड की एक बड़े खतरे के रूप में पहचान कर चुका है, जो उन देशों और क्षेत्रों को निशाना बनाता है जो रूस के हितों के खिलाफ हैं। इस समूह ने अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन में सरकारी संस्थाओं, रक्षा, परिवहन, मीडिया, एनजीओ और स्वास्थ्य संगठनों पर हमले किए हैं। शोधकर्ताओं ने कहा, ये लोग चोरी किए गए लॉगिन विवरणों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें यह ऑनलाइन बाजारों से खरीदते हैं और फिर संगठनों की ईमेल और फाइल बड़ी मात्रा में चुरा लेते हैं।

नीतीश ही ‘नेता’ हैं

बिहार ने इस बार भाजपा-एनडीए को प्रचंड, ऐतिहासिक और अप्रत्याशित जनादेश दिया है। साबित हो गया कि नीतीश कुमार ही बिहार के ‘सर्वोच्च नेता’ हैं। चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा गया। यह नीतीश के राजनीतिक करियर की शानदार उपलब्धि है, क्योंकि जनता दल-यू ने 2020 की तुलना में लगभग दोगुनी सीटों पर बढ़त बनाई है। मतगणना के दिन सुबह 9.56 बजे भाजपा 69 और जद-यू 76 सीट पर आगे थीं। उसके

बाद भी दोनों साथी दलों की बढ़त 71-71, 75-75, 79-79 बरकरार रही। क्या कमाल का जनादेश मिला है! अंततः भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यदि अंतिम जनादेश यही रहा, तो भाजपा-एनडीए के पक्ष में अभूतपूर्व जनादेश होगा। एनडीए सबसे पहले 190 सीट पर आगे रहा, जबकि तब महागठबंधन 50 सीटों पर ही आगे था। कितना व्यापक फासला था! निश्चित है कि चुनावी मुकामला एकतरफा साबित हुआ। भाजपा के

‘चाणक्य’ एवं गृहमंत्री अमित शाह का आकलन भी 160 सीटों के आसपास का था, लेकिन नतीजे ‘बंपर’ साबित हुए। आश्चर्य है कि नीतीश कुमार 20 लंबे साल तक सत्ता में रहे हैं, उसके बावजूद स्वीकार्य और प्रसंगिक साबित हुए हैं। हमने ऐसा ही विश्लेषण कुछ दिन पहले किया था कि नीतीश के विरुद्ध कोई नहीं है, ‘लहर’

तो बहुत दूर की कौड़ी है। अब नीतीश को बिहार का नया ‘जननायक’ मानना चाहिए। यकीनन नीतीश उस जमात और पीढ़ी के ‘अंतिम नेता’ हैं, जिसने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में, ‘संपूर्ण क्रांति’ के बैनर तले, राजनीति की शुरुआत की थी। जॉर्ज फर्नान्डीज, शरद यादव, कपूरी ठाकुर, रामविलास पासवान आदि की पीढ़ी

दिवंगत हो चुकी है, लालू यादव अस्वस्थ हैं, नीतीश ही शेष हैं, जिन्हें इस ऐतिहासिक जनादेश के बाद ‘जननायक’ करार देना चाहिए। यह बिहार में नीतीश की स्वीकार्यता और प्रधानमंत्री मोदी की आम आदमी के बीच लोकप्रियता की ही प्रचंड जीत है। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए ने लह लगाता, पांचवां चुनाव जीता है। शुरुआत 2014 के लोकसभा चुनाव से हुई थी। यह 2010 की भाजपा-एनडीए की अधी, तूफान

वाली जीत की पुनरावृत्ति भी है। सदन में विपक्ष का नेता चुनना भी कठिन लगता है। भाजपा-एनडीए जनादेश महज ‘दस हजारी’ महिलाओं के बंपर समर्थन का ही जनादेश नहीं है, बल्कि यह बिहार के अधिसंख्य अगड़ों-सर्वणों, पिछड़ों-अति पिछड़ों, दलितों-महादलितों, युवाओं-बुजुर्गों और यहां तक कि मुसलमानों का भी जनादेश है।जाति, धर्म, जमात, नस्ल, लिंग आदि के पार जाकर एनडीए को वोट दिए गए हैं। बेशक यह ‘स्वीप’ जनादेश है।

समाज को राह दिखाता है मीडिया

रमेश सराफ़ धमोरा

देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आजादी के बाद भी अलग-अलग परिदृश्यों में अपनी सार्थक जिम्मेदारियों को निभा रही है लेकिन मौजूदा दौर में पत्रकारिता दिनों-दिन मुश्किल बनती जा रही है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामला दर्ज कर लिया जाता है लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक है।

भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एवं जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एवं पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरु किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है।

मीडिया को समाज का दर्पण एवं दौपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सकें। परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, आवर्सलकिंग, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर की सामने आ जाती है। तात्पर्य है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अधिग्र अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा भी है कि भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियां की है एवं अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं। वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एवं विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एवं समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। तथ्यपरकता, यथार्थवादिता, संतुलन एवं वस्तुनिष्ठा इसके आधारभूत तत्व हैं। परन्तु इनकी कमियां आज पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी त्रासदी साबित होने लगी हैं। पत्रकार चाहे प्रशिक्षित हो या गैर प्रशिक्षित, यह सबको पता है कि पत्रकारिता में तथ्यपरकता होनी चाहिए। परन्तु तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर, बढ़ा-चढ़ा कर या घटाकर सनसनी बनाने की प्रवृति आज पत्रकारिता में बढ़ने लगी है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के 2025 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में से 151वें स्थान पर है। यह साल 2024 में 159वें और 2023 में 161वें स्थान से थोड़ा बेहतर है। लेकिन भारत अभी भी बहुत गंभीर प्रेस स्वतंत्रता श्रेणी में है। भारत नेपाल (90वां), मालदीव (104वां), श्रीलंका (139वां) और बंगलादेश (149वां) जैसे पड़ोसी देशों से नीचे है। नॉर्वे, एस्टोनिया और नीदरलैंड प्रेस स्वतंत्रता में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी हैं। पहली बार, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता को आर्थिक दबावों के बढ़ने के कारण कठिन स्थिति में देखा जा रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्पादयवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहभाता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है।

योग स्वस्थ सुखी, सक्रिय व विश्वसनीय जीवन का मार्ग प्रस्तुत करता है

क़ातिलाल मांडेत

उसके भीतर यदि छटपटाहट, बेचैनी व अशान्ति है तो बाहर चेहरे पर उदासी, निस्तेजता, भय, अविश्वास, अस्थिरता, निराशा आच्छादित है। इन सबसे वह मुक्त होने का पुरजोर प्रयत्न करता है पर, मुक्ति उसे मिल नहीं पाती। कोई भी चिकित्सा, उपाय उसे राहत नहीं दे पा रहे हैं, तब वह योग की शरण लेता है। योग स्वस्थ, सुखी, सक्रिय व विश्वसनीय जीवन जीने का मार्ग प्रस्तुत करता है। यह वह कल्पवृक्ष है जो बिना किसी भेदभाव के सबको सुख व शान्ति की छया देता है। जिन विषयों के बारे में विज्ञान आज चुपकी साधे हुए हैं उन सभी विषयों का सन्तोषप्रद समाधान योग के पास है। वास्तव में योग हर समस्या का समाधान और रूपान्तरण दोनों का साधन भी है। योग अन्तरंग को अनन्त आनन्द से आप्लावित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह मन का परिमार्जक है। किन्तु योग को समस्याओं का विसर्जक नहीं कहा जा सकता। जगत् और चैतन्य जब तकदोनों हैं तब तक समस्याएँ तो बनी रहेंगी। ये समस्याएँ हमारे चित्त को उद्धेलित न कर सकें, यह काम योग का है।

जाड़े की शर्दी की इस सुहाने समय में लोग मन पसंद खाना पसंद करते हैं।सर्दियों में मनुष्य अक्सर भूख से ज्यादा खाना भी खा लेता है तो वह पच भी जाता है।इसके साथ ही योग किया आवश्यक हो जाती है।इस ऋतु में योग क्रिया करने वाला अगले महीनों में ताजगी महसूस करता है।योग करने वाले लोगों पर असाध्य बीमारी नही आती है।योग एक सम्पूर्ण जीवन दर्शन है।इसको जीवन के साथ जोड़ने पर हर बीमारी से व्यक्ति दूर रह सकता है। योग के आलम्बन से जीवन की प्रत्येक समस्या सहज व सहर्ष सुलझायी जा सकती है। यदि कोई यह कहे कि शरीर शक्तियों का खजाना है तो योग उस खजाने की चाबी है। वास्तव में योग जीवन के रहस्यमयी तथ्यों का



–आलोक एम इंदौरिया–
बिहार विधानसभा के आम चुनावों के नतीजों ने एक ओर जहां भाजपा गठबंधन की आशातीत सफलता की एक नई इबारत लिख डाली, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा की रणनीति और नेतृत्व की निर्णायक भूमिका को भी राजनीतिक परिदृश्य में सामने लाने और स्थापित करने का काम किया है। निश्चित ही इस चुनाव में मोदी और शाह का करिश्मायी व्यक्तित्व और नेतृत्व

गुजरात के डेडियापड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य आदिवासी समागम

क़ातिलाल मांडेत

बीरसा मुंडा को श्रद्धांजलि आदिवासी गौरव का राष्ट्रीय प्रतीक है।मोदी ने कहा कि बीरसा मुंडा केवल एक जनजातीय नायक नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा हैं।उनका अग्रसक्रिय योगदान, संघर्ष और जनजागरण ने ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी थी। उन्होंने अत्याचारों का विरोध किया, उलगुलान यानी महान क्रांति का नेतृत्व किया और अपने अल्प जीवन में वह कर दिखाया जो कई पीढ़ियों नहीं कर पातीं।मोदी ने मंच से स्पष्ट कहा कि आदिवासी समाज ने देश का मान, सम्मान और संस्कृति को जिंदा रखा है। भारत का इतिहास आदिवासी वीरता के बिना अधूरा है।वे शब्द केवल प्रशंसा नहीं थे, बल्कि वर्षों से मुख्यधारा इतिहास में उपेक्षित आदिवासी योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने का एक सशक्त संदेश था। आदिवासी पोशाक में मोदी का श्रेष्ठ प्रतीकात्मक नहीं, आत्मीय था।प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा धारण की। यह केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं था, बल्कि यह आदिवासी संस्कृति के प्रति सम्मान, आत्मीयता और कृतज्ञता का भाव था।

हजारों आदिवासी भाई-बहन अपने पारंपरिक नृत्य, गीत और परिधानों में उपस्थित थे। जब उन्होंने देखा कि देश का प्रधानमंत्री उनके रूप में, उनकी भाषा और उनके चिह्नों के साथ मंच पर खड़ा है, तो यह पल उनके लिए गर्व का क्षण बन

गया।मोदी का यह कदम संदेश देता है किआदिवासी केवल वोटबैंक नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के केंद्र में हैं। चार किलोमीटर का विशाल रोड शो जनसमर्थन का सागर झलक उठा।डेडियापड़ा में पीएम मोदी का लगभग 4 किलोमीटर लंबा रोड शो अभूतपूर्व रहा। महिलों-लखों लोग सड़क के दोनों ओर खड़े थे। हजाराओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने पारंपरिक संगीत, ढोल और लोकगीतों के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया।कई स्थानों पर लोगों ने फूल वर्षा की, कहीं ढोल-नागाड़ों से स्वागत हुआ, तो कहीं जनजातीय नृत्य मंडलियों ने रोड शो को उत्सव में बदल दिया।यह जनसमर्थन यह दर्शाता है कि आदिवासी समाज के दिल में मोदी सरकार के प्रति गहरा विश्वास और भवनात्मक जुड़ाव है।कांग्रेस पर प्रहार किया। स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी योगदान की उपेक्षा का आरोप

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक आदिवासी वीरों के योगदान को इतिहास से मिटाया। जिन आदिवासियों ने अंग्रेजों से सीधे संघर्ष किए, उनकी बात तक किताबों में नहीं लिखी गई।मोदी की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आजादी के संघर्ष में बिरसा मुंडा, दंडैया धील, सिद्धो-कान्हु, रानी दुर्गावती, रानी गाईडिल्यू, जैसी असंख्य जनजातीय हस्तियों को लंबे समय तक मुख्यधारा इतिहास-लेखन में स्थान नहीं

मिला।मोदी ने यह भी कहा कि—

कांग्रेस केवल अपने नेताओं का महिमामंडन करती रही, आदिवासी बलिदान इतिहास को छिपाया।इस बयान का संदेश साफ था कि आदिवासी वोटबैंक को सम्मान के साथ जोड़ने की राजनीति कांग्रेस नहीं कर सकती, वहीं भाजपा ने इसे अपनी प्राथमिकता बनाई।

बुलेट ट्रेन और जनजातीय क्षेत्रों का विकास नये युग की ओर कदम है।मोदी ने भाषण में बुलेट ट्रेन परियोजना की भी उर्खंकिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक बुनियादी ढांचा, रेलवे और हाईस्पीड ट्रेनों का लाभ अब आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंचेगा।

हालाँकि बुलेट ट्रेन का सीधा मार्ग हर जनजातीय क्षेत्र को नहीं छूता, परंतु इससे जुड़े रोजगार, उद्योग, पर्यटन और परिवहन सुधार का लाभ अप्रत्यक्ष रूप से आदिवासी समाज तक पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे लोगों तक पहुंचाना चाहिए। आदिवासी क्षेत्र अब पिछड़े नहीं, बल्कि नए भारत की प्रगति के केंद्र बनेंगे।आदिवासी समाज को भाजपा के समर्थन का बढ़ता आधार है और मोदी के इस दौर से यह भी स्पष्ट हो गया कि भाजपा आदिवासी समाज को राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण मानती है।

गुजरात, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़ इन सभी राज्यों में आदिवासी मतदाता निर्णायक हैं।

भाजपा की रणनीति स्पष्ट है कि: पहचान, सम्मान, विकास और सांस्कृतिक गौरव को राजनीतिक सर्शकिकरण से जोड़ना होगा। मोदी द्वारा आदिवासी पोशाक पहनना, बिरसा मुंडा की पूजा, आदिवासी वीरों को याद करना, उनके त्योहारों को राष्ट्रीय पहचान देना,यह सब भाजपा को आदिवासी समाज से गहरा समर्थन दिला रहा है।

मोदी सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में इंको-टूरिज्मवन उत्पादों का रस्कनन धन केंद्र प्रधानमंत्री आदिवासी विकास मिशन आदिवासी छत्रों के लिए एकलव्य मॉडल स्कूल जैसी योजनाओं के माध्यम से विकास को जमीनी स्तर तक पहुंचाया।इससे जनजातीय क्षेत्रों में भाजपा की लोकप्रियता लगातार बढ़ी है। कांग्रेस की तुलना में भाजपा की छवि अधिक प्रभावी बनी है। कार्यक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यही था कि आदिवासी समाज भाजपा को अपने हितैषी और निकटतम मानता है।जहाँ कांग्रेस को अक्सर यह कहा जाता है कि उसने आदिवासी इलाकों का चुनावी उपयोग किया, वहीं मोदी सरकार ने विकास और सम्मान को प्राथमिकता दी है। मोदी ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी समाज को गरीबी में रखा, जबकि भाजपा उन्हें सम्मान और अवसर दे रही है।डेडियापड़ा का समागम आदिवासी राजनीति की नई दिशा दी गई।डेडियापड़ा में हुआ समारोह केवल एक चुनावी रणनीति नहीं था यह आदिवासी समाज के प्रति राष्ट्रीय राजनीति की

बदलती संवेदना का संकेत था।यह दिखाता है कि भारत की राजनीतिक दिशा अब केवल सत्ता-गणित पर आधारित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक गौरव, इतिहास और पहचान पर भी आधारित है।मोदी की इस यात्रा से ये संदेश निकले कि आदिवासी गौरव अब भारत की राष्ट्रीय पहचान का हिस्सा है। प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं में जनजातीय समाज सबसे ऊपर है। कांग्रेस की तुलनात्मक आलोचना भाजपा के पक्ष में राजनीतिक माहौल मजबूत करती है। विकास योजनाएँ और सांस्कृतिक सम्मान दोनों को संतुलित रूप में पेश किया गया। 2025इु2026 के चुनावों में आदिवासी समाज निर्णायक भूमिका निभाएगा।डेडियापड़ा कार्यक्रम आदिवासी गौरव और राष्ट्रीय नेतृत्व का ऐतिहासिक संगम है।प्रधानमंत्री मोदी का डेडियापड़ा दौरा सिर्फ एक राजनीतिक रैली नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक घोषणा थी।यह भारत के उस परिवर्तन की तस्वीर है जहाँ आदिवासी समाज को समाज के केंद्र में लाकर उनके योगदान को सम्मान दिया जा रहा है।बीरसा मुंडा के प्रति सम्मान, आदिवासी पहनावे में प्रधानमंत्री की उपस्थिति, चार किलोमीटर का जनसैलाब रोड शो, कांग्रेस पर प्रहार, बुलेट ट्रेन जैसे बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घेख और आदिवासी समाज को भाजपा से मिलने वाला लाभ इन सभी ने मिलकर इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।

जनजातीय गौरव दिवस में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री

8 हॉस्टल का शिलान्यास किया, बिरसा मुंडा चौक नामकरण की भी घोषणा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर ‘जनजातीय गौरव दिवस’ का आयोजन किया गया। गोंडवाना भवन मैदान, इमली गोलाई में हुए इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर आठ आदिवासी हॉस्टल सहित कई निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। साथ ही मनेंद्रगढ़ के इमलीगोलाई चौक का नाम भगवान बिरसा मुंडा चौक रखने और उनकी प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा भी की गई।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पा देवी पावले, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव और नगर निगम चिरमिरी के सभापति संतोष सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद



रहे। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वचुंअल संबोधन को भी सुना।

इस दौरान नवनिर्मित प्रधानमंत्री आवास की चाबियां लाभार्थियों को सौंपी गईं और सर्व आदिवासी समाज की ओर से समाजसेवियों, खिलाड़ियों और वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि देशहित में सर्व आदिवासी समाज का योगदान हमेशा उल्लेखनीय रहा है।

उन्होंने जिला प्रशासन को इमलीगोलाई चौक का नाम बदलने और मूर्ति स्थापित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल पर जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाए गए, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

डॉ. अलका तिवारी बनीं नई सीएमएचओ, अवैध क्लिनिकों पर कार्रवाई न करने के चलते डॉ. आरके वर्मा को पद से हटाया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके वर्मा को पद से हटा दिया गया है। उनके स्थान पर जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉ. अलका तिवारी को नया सीएमएचओ नियुक्त किया गया है। डॉ. वर्मा को पुष्पराजगढ़ का खंड चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है। डॉ. वर्मा को हटाने के पीछे जिले के स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त अव्यवस्थाएं मुख्य कारण बताई जा रही हैं। उनके कार्यकाल के दौरान कई अवैध क्लिनिक संचालित हो रहे थे। इन क्लिनिकों में मरीजों की मौत के मामले भी सामने आए थे, जिससे डॉ. वर्मा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे थे।

पहले भी कलेक्टर ने डॉ. वर्मा को पद से हटाया था: यह



पहली बार नहीं है जब डॉ. वर्मा को पद से हटाया गया है। इससे पहले भी कलेक्टर हर्षल पंचोली ने उन्हें हटाया था, लेकिन डॉ. वर्मा ने उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया था। इस बार, डॉ. आरके वर्मा को हटाकर डॉ. अलका तिवारी को सीएमएचओ का प्रभार सौंपा गया है। डॉ. तिवारी इससे पहले जिला चिकित्सालय में कार्यरत थीं। वहीं, डॉ. वर्मा को पुष्पराजगढ़ के खंड चिकित्सा अधिकारी का पदभार दिया गया है।

चिरमिरी में पीलिया से हुई मौतों पर शासन की चुप्पी, कांग्रेस ने उठाए सवाल; एफआईआर और मुआवजा देने की मांग तेज

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। नगर निगम चिरमिरी के छोटाबाजार क्षेत्र में जुलाई-अगस्त के दौरान दूषित पानी की सप्लाई से फैले पीलिया संक्रमण ने सैकड़ों लोगों को बीमार कर दिया था। एसईसीएल और नगर निगम की पाइपलाइनों से मिले गंदे, गैस-मिश्रित पानी तथा साफ-सफाई की बदरिजतामी को इसका प्रमुख कारण बताया गया। हालात इतने बिगड़े कि उल्टी-दस्त, बुखार और पीलिया की चपेट में आए तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि करीब 500 लोग अस्पतालों में भर्ती होकर कई दिनों बाद स्वस्थ हो सके।

घटना के समय प्रशासन ने टैंकों से पेयजल आपूर्ति और मोहल्लों में क्लीनिंग पाउडर का छिड़काव कर तत्परता दिखाई थी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी मौके पर पहुंचकर दोषियों पर एफआईआर कराने की चेतावनी दी थी। परंतु तीन महीने बाद न तो कार्रवाई हुई और न ही हालात में कोई स्थायी सुधार दिखा।

जनदर्शन कार्यक्रम में पूर्व महापौर और जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष के. डोमरू रेड्डी ने अपर कलेक्टर अनिल सिदार को ज्ञापन सौंपकर प्रशासन की



लापरवाही पर कड़ी आपत्ति जताई। रेड्डी ने कहा कि बिना फिल्टर के खदान का पानी सप्लाई होना, साफ-सफाई की कमी और पाइप लाइनों का नालियों से जुड़े होना, इस संकट के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन की याद दिलाते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

कांग्रेस ने मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग भी दोहराई है। रेड्डी ने कहा कि प्रशासन को जिम्मेदारी तय कर भाविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे।

देश में देसी से ज्यादा विदेशी मुसलमान : गिरिराज सिंह

अमरकंटक में कहा- यही देश के खिलाफ आंदोलन कर पाकिस्तान की मदद करते हैं

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को अनूपपुर जिले के अमरकंटक प्रवास पर है। इस दौरान उन्होंने मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर पूजा-अर्चना की और देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद वे सर्किट हाउस पहुंचे, जहां आयोजित बैठक में उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से 2000 लोगों को रोजगार से जोड़ने की योजना की जानकारी दी। मंत्री ने यहां गोंड आर्ट से बनी चित्रकलाओं का अवलोकन भी किया।

घुसपैठियों पर जांच की मांग: अपने प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बांग्लादेशी और रोहिंया घुसपैठियों को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि



मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में अवैध घुसपैठ की स्थिति चिंता का विषय है और इसपर गंभीरता से जांच की जरूरत है।

अमरकंटक में मुस्लिम आबादी बढ़ने को लेकर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा ‘मैं अमरकंटक लगभग 25 सालों से आ रहा हूं। जब मैं पहली बार 1998 में आया था, तब यहां

एक भी मुस्लिम परिवार नहीं था। अब यह अचानक कैसे बढ़ गए?’

उन्होंने कलेक्टर से बाहरी लोगों की जांच करने की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने देश के मुसलमानों से अपील की कि वे इन घुसपैठियों को संरक्षण न दें। उन्होंने कहा, ‘जब कोई पुछता है तो आप कह देते हैं कि यह मेरे खाला का लड़का है।

गिरिराज सिंह बोले- विदेशी मुसलमानों को संरक्षण न दें: उन्होंने बिहार में अपनी ‘हिंदू स्वाभिमान यात्रा’ का जिक्र करते हुए बताया कि वहां एक जिले में ‘देसी मुसलमान’ से ज्यादा ‘विदेशी मुसलमान’ हो गए हैं, खासकर बिहार के पूर्वोच्चल में। गिरिराज सिंह ने देसी मुसलमानों से निवेदन किया कि वे विदेशी



मुसलमानों को संरक्षण न दें, क्योंकि उनके कारण ही इन्हें चिह्नित करने में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घुसपैठिए पहले बच्चों का रोजगार छीनते हैं, संसाधनों का उपयोग करते हैं, फिर देश के खिलाफ आंदोलन करते हैं और पाकिस्तान की मदद करते हैं। उन्होंने देसी मुसलमानों से अपील की कि यदि कोई

विदेशी मुसलमान आता है, तो वे इसकी सूचना अपने जिलाधिकारी को दें।

बिहार में सरकार बदलने के बाद कार्रवाई की बात: गिरिराज सिंह ने कहा कि यदि बिहार में नई सरकार बनेगी, तो वे बांग्लादेशी और रोहिंया घुसपैठियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे।

एसपी की गाड़ी जाम में फंसी, भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिना अनुमति मनाया जश्न



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिहार चुनाव में जीत का जश्न मनाया। मनेन्द्रगढ़ शहर के गांधी चौक में जश्न के दौरान एसपी रत्ना सिंह की गाड़ी जाम में फंस गई। इस दौरान मौके पर एक भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था।

एसपी ने खुद अपनी कार का शीशा नीचे कर कार्यकर्ताओं को सड़क से हटने के लिए कहा, जिसके बाद उनकी गाड़ी आगे बढ़ पाई।

सिटी कोतवाली प्रभारी मनीष तिवारी ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन के लिए कोई अनुमति

नहीं ली थी और न ही पुलिस को इसकी जानकारी दी थी।

पुलिस के पहुंचने से पहले ही कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की: सूचना मिलने पर मनेन्द्रगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और कार्यकर्ताओं को सड़क किनारे जश्न मनाने को कहा। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर ली थी।

यह जश्न काफी देर तक चला, जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और डीजे साउंड पर डांस किया। इस पूरे घटना क्रम का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

1 बाइक पर 5 सवार, पुलिस ने एमवी एक्ट के तहत 1800 रुपए का वसूला जुर्माना



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में एक बाइक पर पांच लोगों को सवार देखकर पुलिस ने 1800 रुपए का जुर्माना वसूला।



जानकारी के मुताबिक, कोरिया के रहने वाले चंद्र प्रताप विश्वनाथ सिंह (21) अपनी बाइक पर पांच सवारियों को बैठाकर चला रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) की धारा 3/181, 128/177 और 129/194(1) के तहत कार्रवाई की।

कानून के अनुसार, एक बाइक पर अधिकतम दो सवारों की अनुमति है। इस मामले में चार सवारियों को भी कार्रवाई की जाएगी। एसपी रत्ना सिंह के निर्देश पर जिले में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, यातायात नियम और बीमा संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। साथ ही, यातायात नियमों के पालन और जागरूकता के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

वन विभाग की ‘जेसीबी’ नीति ने उजाड़ा ‘सुनरेया’ जंगल, सब रेंज सुरवया में प्लांटेशन के नाम पर नियमों का गला घोट गया



मीडिया ऑडीटर, सुनरेया (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय रोजगार सृजन के वन विभाग के दावे सब रेंज सुरवया के सुनरेया फॉरेस्ट एरिया में धराशायी होते दिख रहे हैं। यहाँ वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्लांटेशन की रियायत नहीं दी गई है और आगे भी नहीं दी जाएगी। गरीबों के हक पर डाका डालने वाले चावल तस्करी को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा।

थे, उन्हें निर्ममता से उखाड़ कर फेंका गया है। प्राप्त साक्ष्यों में खेर के पेड़ों के तने भी दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें काटा गया है।

ग्रामीणों के सनसनीखेज आरोप: ‘काटी गई यह कीमती खेर की लकड़ी आसपास के होटलों को बेची जाती है, जहाँ इसे जलावन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। अधिकारी और कुछ स्थानीय लोग मिलकर इस अवैध व्यापार को अंजाम दे रहे हैं, जिससे उन्हें सीधा वित्तीय लाभ हो रहा है।’

मौके से प्राप्त तस्वीरों में स्पष्ट है कि जेसीबी मशीन का बेरोकटोक इस्तेमाल किया जा रहा है, जो स्थानीय श्रमिकों (लेबर) को काम देने के सरकारी प्रावधान का सीधा उल्लंघन है। इसके कारण न केवल स्थानीय लोगों का रोजगार खिन रहा है, बल्कि जंगल को भी अपूरणीय क्षति पहुंच रही है।

हरियाली का विनाश और खेर की चोरी: स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, प्लांटेशन की बाउंड्री बनाने के नाम पर, जो पेड़ पहले से ही 2-3 साल पुराने होकर स्थापित हो चुके

पथरों का उत्खनन और अवैध कारोबार: जेसीबी मशीन की खुदाई से जमीन के अंदर से भारी मात्रा में पथर बाहर निकाले गए हैं, जैसा कि तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई देता है। यह कृत्य सीधे तौर पर वन भूमि पर अवैध उत्खनन की श्रेणी में आता है, जिसके लिए केंद्र सरकार की अनुमति आवश्यक होती है।

ग्रामीणों के आरोप: ‘वन विभाग के कर्मचारियों की सहमति से, इन पथरों को टुली में भरवाकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को कम दाम पर बेचा जाता है।’

कलेक्टर ने शासकीय कार्यों में लापरवाही पर की कार्रवाई :चंदेरी भ्रमण के दौरान कई अधिकारी-कर्मचारी निलंबित, वेतनवृद्धि रोकी

अशोकनगर, एजेंसी। अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह ने शनिवार को चंदेरी क्षेत्र के भ्रमण के दौरान शासकीय कार्यों में लापरवाही और पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में कमी पाए जाने पर कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान कुछ को निलंबित किया गया, जबकि कुछ की वेतनवृद्धि रोकी गई और कई को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। शासकीय प्राथमिक विद्यालय, ग्राम जारसल चक्र में मध्याह्न भोजन चूल्हे पर बनने की मशायत मिली थी। इस पर संज्ञान लेते हुए, जनपद शिक्षा केंद्र चंदेरी के सी.ए.सी. अशोक ओझा और बी.ए.सी. राम सिंह लोधी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसी क्रम में, ग्राम पंचायत



डुंगासरा के सचिव सत्यपाल सिंह पंवार को मुख्यालय पर अनुपस्थित पाए जाने पर निलंबित किया गया। ग्राम जारसल और जारसल चक्र में आंगनवाड़ी के बच्चों को

समय पर नाश्ता न मिलने और आंगनवाड़ी केंद्र समय पर न खुलने के कारण निलंबित किया गया है। ग्राम जारसल की पर्यवेक्षक सदमा बानो को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

ग्राम जारसल चक्र के पटवारी कुलदीप सोलंकी अपने नियत मुख्यालय से अनुपस्थित मिले, जिस पर उनकी दो वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई हैं। इसी तरह, ग्राम जारसल के सचिव राजेंद्र सिंह भी मुख्यालय पर अनुपस्थित पाए गए, उनकी भी दो वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश दिए गए हैं। श्रबोन का उप-स्वास्थ्य केंद्र बंद मिलने पर बीएमओ प्रशांत दुबे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी चंदेरी सुरभि जैन को ग्राम डुंगासरा का माध्यमिक जैन को ग्राम डुंगासरा का माध्यमिक

बताओ नोटिस जारी हुआ। ग्राम जारसल चक्र और ग्राम डुंगासरा के विद्यालयों में गैस चूल्हा उपलब्ध न होने के कारण मिट्टी के चूल्हे पर मध्याह्न भोजन तैयार किए जाने पर विकासखंड स्रोत समन्वयक चंदेरी वेद प्रकाश गोयल को भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त, ग्राम जारसल और ग्राम डुंगासरा की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनुपस्थित मिलने, बच्चों की उपस्थिति कम होने तथा नाश्ता समय पर उपलब्ध न कराने के मामले में प्रभारी परियोजना अधिकारी चंदेरी मिथलेश रैक्वार को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। आंगनवाड़ी केंद्र डुंगासरा की कार्यकर्ता सुनीता बाई को भी अनुपस्थित पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

ऑर्डिनेस फैक्ट्री में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ :बकरी के शिकार के लालच में आया; रहवासी क्षेत्र में मूवमेंट से दहशत में थे लोग

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम के ऑर्डिनेस फैक्ट्री आवासीय क्षेत्र में दहशत फैलाने वाला एक तेंदुआ शनिवार रात पिंजरे में फंस गया है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरा लगाया था, जिसमें वह रात करीब 11:30 बजे बकरी के बच्चे के शिकार के लालच में कैद हो गया। सूचना मिलते ही वन अधिकारी और एसटीआर का अमला मौके पर पहुंचा। तेंदुए को आज (रविवार) सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बोरी रेंज के धाई जंगल में छोड़ा जाएगा।



बुलाया गया।

सितंबर से थी 3 तेंदुओं की

तेंदुए के पिंजरे में फंसने की सूचना मिलते ही रात 1 बजे वन अधिकारी एसडीओ मानसिंह मरावी, रेंजर अभिषेक शर्मा फॉरेस्ट अमले के साथ मौके पर पहुंचे। एसटीआर (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) के रेस्क्यू अमले को भी

तड़के 4 बजे पिंजरा बागदेव चौकी लाए : तेंदुए के फंसने के बाद वन विभाग ने तड़के 4 बजे पिंजरे को सुरक्षित गाड़ी में रखकर बागदेव चौकी ले आए। पिंजरे को उक्त जगह से दूसरे स्थान पर ले जाया गया।

दहशत : बता दें कि सितंबर माह से ऑर्डिनेस फैक्ट्री के आवासीय क्षेत्र में दो से तीन तेंदुओं का मूवमेंट लगातार बना हुआ था। इससे फैक्ट्री परिसर में रहने वाले लोग और कर्मचारी दहशत में थे। **बकरी के बच्चे का किया**

था शिकार : लोगों की दहशत को देखते हुए तेंदुए को पकड़ने के लिए वन अमले ने पिंजरा लगाया था। पिंजरे में तेंदुए के शिकार के लिए एक बकरी का बच्चा छोड़ा गया था। विभाग ने कुछ दिन पहले पिंजरे की दो से तीन बार लोकेशन भी बदली थी। शनिवार रात 11:30 बजे तेंदुआ शिकार के लालच में पिंजरे में कैद हो गया।

आज धाई के जंगल में छोड़ा जाएगा: एसडीओ मानसिंह मरावी ने बताया कि रात 11:30 बजे के करीब तेंदुआ पिंजरे में फंसा। रविवार सुबह 11:30 बजे एसटीआर की टीम तेंदुए को बोरी अभ्यारण के धाई के जंगल में छोड़ने के लिए रवाना होगी। छोड़ने से पहले अभी तेंदुए का मेडिकल चेकअप किया जाएगा, जिसके बाद एसटीआर की टीम तेंदुए को जंगल में छोड़ेगी।

बुधनी सब-स्टेशन में कर्मचारी शराब पीते मिला, उपभोक्ता वीडियो रिकॉर्ड करने लगा तो अभद्रता की



सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले के बुधनी स्थित विद्युत वितरण कंपनी के सब-स्टेशन कार्यालय में शनिवार रात एक कर्मचारी को ड्यूटी के दौरान शराब पीते हुए पाया गया। यह घटना तब सामने आई जब एक उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराने पहुंचा। उपभोक्ता ने कर्मचारी का वीडियो बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जानकारी के अनुसार, उपभोक्ता जब सब-स्टेशन पहुंचा तो उसने आउटसोर्स कर्मचारी नीतेश को नशे की हालत में देखा। उपभोक्ता द्वारा सवाल पूछे जाने पर कर्मचारी ने अभद्रता शुरू कर दी, जिससे विवाद की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि कर्मचारी नीतेश पहले भी कई बार ऐसी हरकतें कर चुका है। हालांकि, उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण उसकी मनमानी लगातार जारी है।

50 साल के सरकारी टीचर पर छेड़छाड़ का आरोप :रतलाम में 12वीं की छात्रा का पीछा कर घर में घुसा, हाथ पकड़ा

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के रावटी थाना क्षेत्र में 12वीं की एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप 50 वर्षीय सरकारी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक पर लगा है। घटना शनिवार दोपहर की है, जब शिक्षक ने छात्रा का पीछा किया और उसे घर में अकेला पाकर बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। छात्रा ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि शनिवार को स्कूल की छुट्टी थी। घर में माता-पिता व भाभी काम से रतलाम गए थे और भैया दुकान पर थे। दोपहर 3.30 बजे करीब वह खेत पर चने देखने गई थी। खेत से लौटते समय मोहल्ले में रहने वाले गोविंद कसावत सर उसका पीछा करते हुए घर आ गए। **तू बहुत अच्छी लग रही है, नंबर दे :** टीचर ने इशारे से कहा कि तू बहुत अच्छी लग रही है। तेरा नंबर दे। छात्रा ने नंबर देने से मना कर दिया। जब वह घर का ताला खोलकर अंदर आईं, तो शिक्षक पीछे-पीछे आ गए और कहने लगे कि तुझे पैसे दूंगा। घर के अंदर आने दे। आरोप है कि गोविंद सर जबर्दस्ती घर में घुस आए। उन्होंने छात्रा को अकेला पाकर बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। छात्रा घबराकर जोर से चिल्लाई। चिल्लने की आवाज सुनकर शिक्षक डर



गया और अपने घर चला गया।

किसी को बताया तो जान से मार दूंगा : छात्रा ने बताया कि बाद में वह गोविंद सर के घर जाकर पूछा कि उन्हें नंबर क्यों चाहिए, तो वे कहने लगे कि मेरे घर के अंदर आ तो मैं तुम्हें समझाता हूँ। छात्रा ने घर के अंदर आने से मना कर दिया। बाद में उन्होंने छात्रा से कहा कि किसी को बताना मत मेरी नौकरी चली जाएगी। यदि किसी को बताया तो जान से मारने की धमकी भी दी।

परिवार के आने पर की शिकायत : छात्रा डरकर वापस अपने घर आ गईं। उसने अपने पापा को फोन लगाकर सारी बात बताई। शाम को जब मम्मी-पापा, भाई-भाभी घर आए, तो उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद परिवार के साथ रावटी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। आं में भारी आक्रोश है। लोग बिजली व्यवस्था

संभालने वाले कार्यालय में इस तरह की शराबखोरी पर सवाल उठा रहे हैं। मामले में विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों ने अभी तक चुपी साध रखी है और कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया है।

टीचर की पत्नी की हो चुकी है मौत :आरोपी शिक्षक गोविंद कसावत (50) नरसिंग नाका में स्थित सरकारी प्राथमिक स्कूल का टीचर है। जानकारी में सामने आया है कि आरोपी टीचर की पत्नी का निधन हो चुका है और उसका बेटा डॉक्टर की पढ़ाई कर रहा है। सैलाना थाना प्रभारी सुरेश गर्डरिया ने बताया आरोपी टीचर गोविंद कसावत (50) के खिलाफ बीएमएस की धारा 74, 75 (1), 78 (1), 333, 351(3) के अलावा पॉक्सो एक्ट की 11, 12, 7 व 8 के तहत केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

रायसेन में सीजन की सबसे सर्द रात :पारा 7.5 डिग्री पर लुढ़का, पिछले साल से दोगुनी ठंड; अगले 3-4 दिन ऐसा ही मौसम

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में एक बार फिर कड़के की सर्दी ने रफ्तार पकड़ ली है। इस सीजन में पहली बार बीते दो दिनों से रात का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से नीचे दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर मध्य प्रदेश के साथ रायसेन में भी दिख रहा है। जिले में बीते दो रातों से न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है।

दिन में 26 डिग्री तक पहुंच रहा पारा :जहां रातें सर्द हो गई हैं, वहीं दिन का अधिकतम तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। हालांकि, ठंडी हवाओं के कारण दिन में भी हल्की ठंडक बनी हुई है। **ओस से गीले हुए वाहन, कोहरे की धुंध छाई :** सर्दी का असर अब साफ दिखने लगा है।



खुले मैदानों और बगीचों में पेड़-पौधों पर ओस की बूंदें थमी हुईं नजर आ रही हैं। घर के बाहर खड़े वाहन भी सुबह ओस से गीले हो गए। सुबह के समय कोहरे की धुंध भी छाई रही।

अलाव का सहारा ले रहे लोग : तेज सर्दी से बचने के लिए लोग अब पूरी तरह गर्म कपड़ों में बाहर निकल रहे हैं। वहीं, सुबह-शाम कुछ लोग चौक-चौराहों पर

अलाव का सहारा लेते भी दिखाई दिए।

पिछले साल से ज्यादा सर्द है यह नवंबर : पिछले साल नवंबर की तुलना में इस साल नवंबर में अधिक सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 16 नवंबर को रात का अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था ।

खरगोन मंदिर चोरी का मामला, बदमाश गिरफ्तार-35 हजार के आभूषण जब्त, आरोपी पर हैं 28 मामले दर्ज

खरगोन, एजेंसी। खरगोन पुलिस ने टांडाबरूड के माता मंदिर में हुई चोरी के मामले में सिलोटिया निवासी आरोपी सुरसिंह उर्फ हमारिया पिता दितु तड़वी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी किए गए 35 हजार रुपये मूल्य के चांदी का छत्र और करदोना बरामद किए हैं। आरोपी पर पहले से चोरी, लूट, हत्या के प्रयास, अर्पस एक्ट, छेड़छाड़ और आबकारी अधिनियम सहित कुल 28 आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह वारदात 18 सितंबर की रात को दुर्गा माताजी मंदिर में हुई थी। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर मूर्ति से चांदी का छत्र, सोने की बाली, चांदी का कमर करदोना और दानपेटी में रखे 2000 रुपये चुरा लिए थे। बरूड थाना प्रभारी लक्ष्मणसिंह लोवशी ने बताया कि जांच के दौरान सूचना मिली थी ।

किसानों का बड़ा प्रदर्शन :रेल रोकने पहुंचे, तीन लेयर में बैरिकेडिंग कर रोका

खंडवा, एजेंसी। शनिवार को किसानों ने प्याज के दाम के लिए जिला मुख्यालय से पांच किमी दूर टिगरिया गांव में सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक धरना-प्रदर्शन किया। रेल रोकने के लिए पहुंचे किसान तीन घंटे तक रेलवे ट्रैक से 200 मीटर दूर धरने पर बैठे रहे। रेलवे सहित पुलिस बल ने रेलवे ट्रैक से किसानों को दूर रखने के लिए तीन लेयर में सुरक्षा की बैरिकेडिंग की थी। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने किसानों की मांगों के निराकरण के लिए तीन दिन के भीतर केंद्रीय कृषि मंत्री और मुख्यमंत्री से मुलाकात का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शन शाम 6 बजे स्थगित हुआ। हालांकि किसानों ने सांसद के सामने कहा कि मामले का निराकरण नहीं होता है तो दोबारा आंदोलन करेंगे। शनिवार सुबह 9 बजे से टिगरिया में गुर्जर समाज की धर्मशाला में स्वतंत्र किसान जन आंदोलन के तहत रेल रोकने 40 गांवों के 5 हजार से अधिक किसान एकत्र होना शुरू हुए। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक कचन तनवे और छाया



मोरे सहित भाजपा जिलाध्यक्ष राजपालसिंह तोमर मौके पर पहुंचे। किसानों ने इनको जमीन पर बिठाकर पहले अपनी मांगें बताईं।

ये हैं किसानों की मांगें : किसान सुभाष पटेल, जय पटेल और त्रिलोक पटेल ने कहा कि प्याज का निर्यात केंद्र सरकार तत्काल खोले, यदि निर्यात नहीं खोलते हैं तो महाराष्ट्र की तर्ज पर 24 रुपए प्रति किलो की दर पर सरकार खुद प्याज खरीदे। अन्यथा प्रदेश सरकार किसानों को

प्रति एकड़ 70 से 80 हजार रुपए प्याज फसल की नुकसानी के मुआवजे का भुगतान करें। खंडवा जिले में सोयाबीन फसल की राहत राशि का वितरण सरकार करे। जिले में मक्का की खरीदी समर्थन मूल्य पर किया जाए। मक्का खरीदी को भावांतर योजना में शामिल किया जाए। जिले में कपास की खरीदी भारतीय कपास निगम द्वारा की जाए। दो घंटे का बोलकर निकले सांसद पाटिल, समय पर नहीं आए तो उग्र हुए किसान, ट्रेन रोकने के लिए

निकले, पुलिस से उलझे इधर, धरना आंदोलन प्रमुख सुभाष पटेल की मौके पर ही प्रदेश के कृषि मंत्री से बात कराई। इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान से बात करने पर अड़े किसानों के सामने सांसद पाटिल ने उन्हें फोन लगाया लेकिन बात नहीं हो सकी। इस पर सांसद पाटिल ने किसानों को दो घंटे के भीतर दोबारा धरना स्थल पर आकर सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री से कराने का आश्वासन दिया और बिरसा मुंडा जयंती कार्यक्रम में

शामिल होने खंडवा-पंधाना निकल गए। दोपहर 3 बजे तक वे नहीं पहुंचे तो नाराज किसान टिगरिया मांगलिक भवन से बड़गांव गुर्जर रेलवे स्टेशन हॉल्ट पर ट्रेन रोकने के लिए निकल पड़े। जिन्हें पहले सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह, तहसीलदार महेश सिंह सोलंकी ने पुलिस बल के साथ रोकने का प्रयास किया लेकिन किसान नहीं माने। इसके बाद टिगरिया से बड़गांवगुर्जर रेलवे स्टेशन हॉल्ट रोड पर महिला व पुरुष बच्चों व भगवान बलराम की प्रतिमा के साथ धरने पर बैठ गए।

हर 10 में 8 मरीज ‘साइबर कॉन्ड्रिया’ से ग्रसित

भोपाल, एजेंसी। इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने लोगों को मेडिकल जानकारी तो दी है, लेकिन यही जानकारी अब इलाज के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। ‘साइबर कॉन्ड्रिया’ यानि ऑनलाइन खोजी गई अधूरी चिकित्सा जानकारी के आधार पर बीमारी तय कर लेना, भोपाल समेत देशभर में तेजी से बढ़ रहा है। सर एचएम रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में गैस्ट्रोसाइंसेज के मेंटर डॉ. चेतन भट्ट कहते हैं कि अब मरीज डॉक्टर के पास इलाज कराने नहीं, बल्कि अपना निदान साबित करने आते हैं। इंटरनेट और एआई चैटबॉट आधारित ज्ञान से प्रभित ये लोग न सिर्फ गलत दवाएं ले रहे हैं।

छतरपुर में 6 किलो गांजे के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार-ओरछा रोड पर 90 हजार रुपए का अवैध गांजा जब्त



छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। ओरछा रोड थाना पुलिस ने कैंडी फोरलेन ब्रिज यात्री प्रतीक्षालय के पास से तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 6 किलोग्राम से अधिक अवैध गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 90,000 रुपए है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। ओरछा रोड थाना पुलिस को क्षेत्र भ्रमण के दौरान सूचना मिली थी कि ग्राम कैंडी फोरलेन ब्रिज यात्री प्रतीक्षालय के पास कुछ व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की तैयारी में हैं। सूना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

भागने की कोशिश, पुलिस ने पकड़ा: पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्तियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 6 पैकेटों में 6 किलोग्राम से अधिक अवैध गांजा जब्त किया गया। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान रामजी पाल (पिता कुड्डू पाल, निवासी ग्राम अगरा, थाना सटई), देवीदीन साहू और मोहनलाल साहू (निवासी वार्ड क्रमांक 8, बड़ा मलहरा) के रूप में हुई है।

एक आरोपी पर पहले भी है केस: पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रामजी पाल पूर्व में मारपीट के एक अपराध में भी लिप्त रहा है। **NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज:** तीनों आरोपियों के खिलाफ ओरछा रोड थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। मामले की आगे की विवेचना जारी है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान का हिस्सा है।

छतरपुर पुलिस की पिछले कुछ महीनों की कार्रवाई: छतरपुर पुलिस द्वारा पिछले कुछ महीनों में एनडीपीएस एक्ट के 90 और आबकारी के 2200 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 52 क्रिटल से अधिक अप्रमी के पौधे, 1000 किलोग्राम से अधिक गांजा, 500 शीशियां नशीली सिरप, 1200 नशीली टैबलेट, 200 से अधिक इंजेक्शन और 18,000 लीटर अवैध शराब जब्त की जा चुकी है।

सिवनी में सूने मकान से 3 लाख की चोरी:अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवर समेत 45 हजार नकदी चुराए



सिवनी, एजेंसी। सिवनी जिले के छपरा थाना क्षेत्र में एक सूने मकान से लाखों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के जेवरों, नकदी और अन्य घरेलू सामान चुरा लिए। सूचना मिलने पर छपरा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, चंदेनी गांव निवासी राजकुमार भारद्वाज अपनी पत्नी के साथ आदेगांव के पास सुहागपुर स्थित अपने गांव खेती-बाड़ी के काम से गए हुए थे। उनका मकान सूना था और उस पर ताला लगा हुआ था। सुबह पड़ोसियों ने देखा कि उनके मकान के गेट का ताला टूटा हुआ है, जिसके बाद उन्होंने राजकुमार को सूचना दी।

चोरों ने नकदी और जेवरों चुराए : घर लौटने पर राजकुमार ने देखा कि उनके मकान का सारा सामान बिखरा पड़ा था। पलंग पर रखा एक गद्दा और चादर भी गायब थे। जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर घर में रखे करीब 2 लाख 50 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवरों और लगभग 45 हजार रुपए नकद चुरा ले गए थे।

टीआई बोले- घर पर ताला लगाकर बाहर जाएं तो सूचित करें: राजकुमार भारद्वाज ने तत्काल छपरा थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। छपरा थाना प्रभारी खेमेन्द्र जेतवार ने बताया कि सूने मकान में चोरी की घटना की सूचना मिली थी और फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अज्ञात चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की है कि यदि वे अपने मकान में ताला लगाकर कहीं बाहर जाते हैं और उसमें कोई कीमती जेवर या नकदी रखी है, तो उसे किसी विश्वसनीय व्यक्ति के पास रखवा दें या अपने साथ ले जाएं। ऐसा करने से सूने मकानों की रेकी करने वाले चोर उन्हें निशाना नहीं बना पाएंगे और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

शहडोल में घर में अकेली सो रही महिला की हत्या-गार्दन पर धारदार हथियार से हमला, पुलिस जांच में जुटी



शहडोल, एजेंसी। शहडोल के सीधी थाना क्षेत्र में एक महिला (50) की उसके घर में ही शनिवार रात धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। महिला का शव उसके बेटे ने देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, सीधी थाना क्षेत्र के सिचोरा आंगनवाड़ी भवन के पास रहने वाली राजवती गोंड (50) की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई है। हमलावर अभी अज्ञात हैं।

मृतक के बेटे ने पुलिस को सूचना दी : घटना का खुलासा तब हुआ जब पड़ोस में रहने वाला उनका बेटा राजकुमार अपनी मां राजवती को जमाने घर पहुंचा। राजकुमार ने बताया कि जब वह पहुंचा तो मां की गर्दन पर धारदार हथियार से हमले के निशान थे और काफी खून बह रहा था। बेटे ने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद डायल 112 पुलिस और थाना स्टाफ मौके पर पहुंचा।

5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025: एसएमएस स्टेडियम के एथलेटिक्स ट्रैक पर होंगी स्पर्धाएं

जयपुर, एंजेंसी। 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के तहत एथलेटिक्स की सभी स्पर्धाएं जयपुर के सर्वाई मान सिंह स्टेडियम के एथलेटिक्स ट्रैक पर आयोजित की जायेगी।यह पहली बार है जब राजस्थान इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी कर रहा है। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् के अध्यक्ष डा. नीरज के. पवन ने बताया कि एथलेटिक्स में सर्वाधिक 556 खिलाड़ी 23 इवेंट में भाग लेंगे। इन प्रतिभागियों में जहां 304 पुरुष एथलीट्स भाग लेंगे, वहीं 256 महिलायें पदक के लिए जोर आजमाईश करेंगी। उन्होंने बताया कि एथलेटिक्स में पुरुष व महिलाओं में 100 मी. व्यक्तिगत स्पर्द्धा के साथ 200 मी., 400 मी., 800 मी., 1500 मी, 5000 मी., 10000 मी., 110 मी. हर्डल्स, 400 मी. हर्डल्स, 3000 मी. स्टीपल चेज, 20 कि.मी. वॉक, चार गुना सौ मी. रिले, चार गुना चार सौ मी. रिले, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, हैमर थ्रो, लॉग जम्प, हाई जम्प, ट्रिपल जम्प, पोल वॉल्ट, डेकाथलोन (पुरुष) और हैप्टाथलान (महिला) के अलावा चार गुना 400 मिश्रित रिले की स्पर्द्धाएं शामिल हैं। चार गुना 400 मीटर रिले में सर्वाधिक 48 एथलीट्स पदक के लिए दावा पेश करेंगे। शेष सभी इवेंट में 8-8 एथलीट्स होंगे।

डा. नीरज के. पवन ने बताया कि 20 किमी वॉक को छोड़ एथलेटिक्स के सभी इवेंट्स सर्वाई मानसिंह स्टेडियम के एथलेटिक्स ट्रैक पर होंगे। इन स्पर्द्धाओं का आयोजन 1 से 4 दिसंबर तक किया जायेगा। एथलेटिक्स ट्रैक की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। वॉक स्पर्धा का आयोजन मुख्य स्टेडियम के बाहर सड़क पर किया जायेगा। इन स्पर्द्धाओं का डीडी स्पোর্ट्स पर सीधा प्रसारण भी किया जायेगा।

कैमरन ग्रीन बन सकते हैं KKR के नए मैच-विनर: पूर्व क्रिकेटर ने की बड़ी भविष्यवाणी



नई दिल्ली, एंजेंसी। आईपीएल 2026 की तैयारियां पूरी रफ्तार में हैं और कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) अगले सत्र के लिए बड़ी रणनीतिक बदलावों के साथ आगे बढ़ रही है। अनुभवी ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को रिलीज करने के बाद टीम अगले बड़ा हिटर + उपयोगी गेंदबाज प्रोफाइल की तलाश में है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर और विश्लेषक आकाश चोपड़ा ने सुझाव दिया है कि कैमरन ग्रीन, केकेआर के लिए रसेल का आंतिम उन्नत संस्करण साबित हो सकते हैं। उनकी बल्लेबाजी, तेज गति से रन बनाने की क्षमता और बैकअप गेंदबाज के तौर पर उपयोगिता उन्हें मेगा नीलामी में KKR की पहली पसंद बना सकती है।

आंद्रे रसेल युग का अंत और KKR की नई दिशा: एक दशक से अधिक समय तक चरमक के मुख्य स्तंभ रहे आंद्रे रसेल को रिलीज करने का निर्णय फ्रैंचाइजी के लिए बड़ा कदम था। 2014 से 2024 तक रसेल ने, 133 मैचों में 2,500+ रन, 175+ स्ट्राइक रेट, 122 विकेट और दो बार IPL में मौर्य क्लबूकल प्लेयर जैसे शानदार रिकॉर्ड बनाए। लेकिन फिटनेस, फॉर्म और टीम संरचना में बदलाव को देखते हुए चरमक ने मेगा नीलामी से पहले यह कठोर निर्णय लिया। अब टीम नीलामी में 64.3 करोड़ रुपये की विशाल पर्स के साथ उतर रही है। चोपड़ा के अनुसार कैमरन ग्रीन KKR की आवश्यकताओं पर पूरी तरह फिट बैठते हैं। उन्होंने कहा कि केकेआर को ग्रीन को प्रार्थमिकता देनी चाहिए क्योंकि वह रसेल के मुकाबले अधिक स्थिर बल्लेबाजी, लंबी पारियां खेलने की क्षमता, 3-4 ओवर नियमित गेंदबाजी, टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर दोनों में लचीला रोल जैसे गुण प्रदान करते हैं।



कोलकाता। भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच साउथ अफ्रीका ने 30 रन से जीत लिया है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए मैच में भारत ने द. अफ्रीका को पहली पारी में 159 रन पर ढेर कर पहली पारी में 30 रन की बढ़त बनाई। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर कमाल किया और द. अफ्रीका को 153 रन पर ढेर

कर दिया जिसमें बाबुमा के 55 रन शामिल थे। इस दौरान भारत की जीत नजर आ रही थी लेकिन द. अफ्रीका ने अपनी गेंदबाजी से सभी को हैरान करते हुए कुछ ही घंटों में भारत के सभी विकेट उड़ा दिए और जीत भारत के हाथों से खींच ली।

दूसरे दिन का खेल तय समय से पहले खराब रोशनी के कारण रुक गया। दिन के अंत

डब्ल्यूबीबीएल : डिएंड्रा डॉटिन ने गेंद के बाद बल्ले से बिखेरी चमक, रेनेगेड्स ने दर्ज की जीत

मेलबर्न, एंजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ रेनेगेड्स ने प्लाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर अपनी जगह बना ली है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने इस सीजन अब तक 4 में से 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। ब्रिस्बेन हीट और सिडनी थंडर्स के खिलाफ जीत के बाद टीम को एडिलेड स्ट्राइकर्स के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर, 3 में से 1 मैच जीतने वाली मेलबर्न स्टार्स ने इस सीजन एक मैच गंवाया है, जबकि एक मुकाबला बारिश के चलते बेतारी रहा। यह टीम प्लाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है।

जंक्शन ओवल में खेले गए इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 7 विकेट खोकर 141 रन बनाए। टीम ने 59 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने मारिजैन कप के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़ते हुए टीम को शतक के करीब पहुंचाया। रिस मैककेना ने 32 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कप्तान सदरलैंड और किम गार्थ ने 29-29 रन बनाए। मारिजैन कप ने 22 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सकीं।

विषयी टीम से खिंड़ा डॉटिन ने सर्वाधिक 3 विकेट अपने नाम किए। चार्लिस बेकर, मिशेल इलिंगवॉ, सोफी मोलिन्यूक्स और जॉर्जिया वेयरहेम ने 1-1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 18.5

ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टीम महज 9 रन पर डेविना पेरिन का विकेट गंवा चुकी थी।

इसके बाद सोफी मोलिन्यूक्स ने कोर्टनी वेब के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 58 रन जोड़कर पारी को मजबूती दी। मोलिन्यूक्स 32 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। कोर्टनी वेब ने रेनेगेड्स की



पारी में 37 रन का योगदान दिया। गेंद से चमक बिखरे के बाद डॉटिन ने 6 गेंदों में 1 छक्के और 1 चौके के साथ 13 रन बनाए। उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टेस फिल्टॉफ और निकोल फाल्टम ने सातवें विकेट के लिए 24 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 7 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। स्टार्स की ओर से किम गार्थ और मैसी गिब्सन ने 2-2 विकेट हासिल किए।

भारत ने गंवाया पहला टेस्ट

दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन से जीता मैच

तक साउथ अफ्रीका का स्कोर था 7 विकेट के नुकसान पर 93 रन। भारत ने पहली पारी में 30 रन की लीड ली थी। जवाब में मेहमान टीम अभी तक 63 रन की लीड ही ले पाई है और उसके सिर्फ तीन विकेट बाकी हैं।

भारत ने पहली पारी में 30 रन की लीड ली थी। जवाब में मेहमान टीम अभी तक 63 रन की लीड ही ले पाई है और उसके सिर्फ तीन विकेट बाकी हैं। भारतीय टीम के लिए स्पिनर्स ने स्थिति मजबूत कर दी है। रविंद्र जडेजा ने 4, कुलदीप यादव ने दो और अश्वर पटेल ने एक विकेट अभी तक अपने नाम कर लिया है।

अपना 51वां टेस्ट खेल रहे बुमराह ने पारी में 16वीं बार पांच विकेट झटक कर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को क्रीज पर ज्यादा समय बिताने का मौका नहीं दिया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के सर्वोच्च स्कोरर एडेन मारक्रम (31) और रियान रिकेलटन (23) को चलता कर शुरुआती झटके देने के बाद शानदार लय में चल रहे टोनी डि जोर्जी (24) को पगबाधा किया। बुमराह ने चाय के विश्राम के बाद साइमन हार्मर (पांच) और केशव महाराज को पवेलियन की राह दिखाकर अपने पांच विकेट पूरे किये। बुमराह को कुलदीप यादव (36 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद सिराज (47 रन पर दो विकेट) को अच्छे साथ मिला जबकि अश्वर पटेल (21 रन पर एक विकेट) ने भी एक सफलता हासिल की।

भारतीय बल्लेबाजों ने इसके बाद बेहद सतक शुरुआत की। टीम ने खराब रोशनी के कारण जल्दी खेल खत्म होने तक 20 ओवर में एक विकेट पर 37 रन बनाये। भारत पहली पारी में अभी 122 रन पीछे है और क्रीज पर लोकेश राहुल (13) के साथ वाशिंगटन सुंदर (छह) मौजूद है। भारत को इकरलौता झटका यशस्वी जायसवाल के आउट होने से लगा जो

माकों यानसन की ऑफ स्टंप के करीब की गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटों पर खेल गए। जायसवाल ने अपनी पारी की 16वीं गेंद पर यानसन के खिलाफ चौके के साथ खाता खोलने के बाद मुल्डर की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराये। जायसवाल ऑफ स्टंप के करीब की गेंद को कट करने की कोशिश में यानसन की गेंद को विकेटों पर खेल बैठे। दूसरे छोर से पारी की शुरुआत में अति रक्षात्मक रवैया अपनाने वाले लोकेश राहुल ने मुल्डर के खिलाफ कवर और मिड ऑफ के बीच शानदार ड्राइव से चौका बटोरा।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने भी शानदार लाइन लेंथ से गेंदबाजी की और भारतीय बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। केशव महाराज ने अपनी स्पिन गेंदबाजी से लोकेश राहुल को थोड़ा परेशान किया और गेंद कुछ मौकों पर उनके बल्ले और विकेट के बेहद करीब से निकली यही हाल तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आये वाशिंगटन का भी रहा लेकिन दोनों बल्लेबाज अपना विकेट बचाने में सफल रहे। दक्षिण अफ्रीका ने इससे टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और मारक्रम ने रिकेलटन के साथ टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। मारक्रम को खाता खोलने में 23 गेंद लग गए लेकिन उन्होंने शानदार स्ट्रेट ड्राइव और कवर ड्राइव के साथ शुरुआत की और फिर अश्वर पटेल के खिलाफ बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से शानदार लेट कट खेला। उन्होंने इस वामहस्त गेंदबाज के खिलाफ कलाई का इस्तेमाल करते हुए मिड-विकेट पर शानदार छक्का जड़ा।

दूसरी तरफ रियान रिकेलटन ने 22 गेंदों पर चार चौकों और 23 रन की आक्रामक पारी के साथ भारत परेशान करना शुरू कर दिया था। बुमराह ने रिकेलटन आउट करके 57 रन की साझेदारी को तोड़ भारत को पहली सफलता

दिलाई। उनका अगला ओवर और कमाल का रहा। उन्होंने शॉट गेंद ने तेजी से उछल ली जिससे सामंजस्य बिटने का मारक्रम को समय नहीं मिला और गेंद उनके दस्तानों से टकरा कर चोट से उबर कर टीम में वापसी कर रहे विकेटकीपर रम्रथ पंत के दस्तानों में चली गयी। बुमराह ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बाबुमा को भी परेशान किया लेकिन उनका शिकार कुलदीप यादव ने किया। कुलदीप की स्पिन लेते गेंद ने उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लिया और लेग स्लप में ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक कर बाबुमा की तीन रन की पारी का अंत किया।

शानदार लय में चल रहे डि जोर्जी और मुल्डर ने संभल कर खेलते हुए टीम की वापसी की कोशिश की लेकिन दिन के दूसरे सत्र में कुलदीप के खिलाफ रिक्स स्वीप की कोशिश में मुल्डर पगबाधा हो गये। बुमराह ने डि जोर्जी को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका दिया। शुरुआती छह ओवरों में 34 रन लुटाने वाले सिराज ने अपने 10वें ओवर में शानदार दोहरी सफलता के साथ दक्षिण अफ्रीका के निचले मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने चार गेंदों के अंतराल में काइल वेर्ने (16) और यानसन (शून्य) को आउट किया। चाय के विश्राम से एक गेंद पहले अश्वर पटेल ने कॉर्बिन बॉश (तीन) को पगबाधा किया तो वहीं बुमराह ने तीसरे सत्र की शुरुआत में दो विकेट के साथ औपचारिकता पूरी की। इससे पहले भारतीय टीम ने 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में खेले गये टेस्ट के बाद पहली बार पहली बार चार स्पिनरों को मैदान में उतारा। इसके उलट दक्षिण अफ्रीका ने सिर्फ दो स्पिनरों को एकदम में शामिल किया। टीम को कैगिसो रबाडा के चोटिल होने से झटका लगा और उनकी जगह तेज गेंदबाज बॉश को मौका मिला।

आईपीएल 2026 : रिटेंशन लिस्ट जारी होने के बाद किस टीम के पर्स में कितना पैसा बचा?

नई दिल्ली, एंजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए सभी 10 फ्रैंचाइजियों ने अपने रिटेंन खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। बड़े पैमाने पर खिलाड़ियों को रिलीज किया गया है। ऐसे में मिनी ऑक्शन के भी रोमांचक होने की उम्मीद है। आइए जानते हैं कि रिटेंशन के बाद फ्रैंचाइजियों के पर्स में कितना पैसा है। किस टीम के पास सबसे ज्यादा पैसा है, और कौन सी टीम न्यूनतम पैसे के साथ मिनी नीलामी में उतरेगी। रिटेंशन के बाद केकेआर के पास सबसे ज्यादा पैसा बचा है। आंद्रे रसेल (12 करोड़) और वेक्टेस अय्यर (23.75 करोड़ रुपए) जैसे महंगे खिलाड़ियों को रिलीज करने के बाद केकेआर के पर्स में 64.30 करोड़ हैं। केकेआर के पास 13 जगह खाली हैं, जिनमें छह विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के पास 43.40 करोड़ रुपये हैं। सीएसके नीलामी में दूसरी धनी टीम के रूप में उतरेगी। सनराइजर्स हैदराबाद पर्स में बचे पैसे के आधार पर तीसरी धनी टीम है। एसआरएच के पर्स में 25.50 करोड़ हैं। लखनऊ सुपर जाइंट्स के पास 22.95 करोड़, दिल्ली कैपिटल्स के पास 21.80 करोड़, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के पास 16.40 करोड़, राजस्थान रॉयल्स के पास 16.05 करोड़, गुजरात टाइटंस के पास 12.90 करोड़, पंजाब किंग्स के पास 11.50 करोड़, और मुंबई इंडियंस के पास 2.75 करोड़ हैं। मुंबई इंडियंस ऑक्शन में सबसे कम पैसे के साथ उतरेगी। एमआई ने अपने सभी बड़े खिलाड़ियों को रिटेंन कर लिया है। आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी 16 दिसंबर को अबू धाबी के एतिहाद एरीना में आयोजित की जाएगी। नीलामी में टीमों के पास कुल मिलाकर 237.55 करोड़ का पर्स उपलब्ध होगा, जिसके आधार पर 77 खिलाड़ियों को खरीदा जा सकेगा। हर टीम अधिकतम 25 खिलाड़ियों का स्कॉड रख सकती है। मिनी ऑक्शन में सबसे ज्यादा सक्रिय केकेआर और सीएसके नजर आएंगी।



भारत के धनुष ने डेफलिम्पिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण जीता, मुर्तजा को रजत

नई दिल्ली । धनुष श्रीकांत ने रिववार को तोक्यो में डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए खाता खोला। भारत के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के आंतिम स्कोर के साथ रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीकांत ने 252.2 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत के पदकों की संख्या अब दो हो गई है।

भारत के अर्जुन विश्व कप शतरंज के क्वाटर फाइनल में पहुँचे !

गोवा, एंजेंसी। विश्व कप 2025 में आज का दिन भारत के लिए शानदार रहा जब भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने यूएसए के दो बार के विश्व कप विजेता और बेहद अनुभवी लेवान अरोनियन को दूसरी क्लासिकल बाजी में केल मोहरो से पराजित करते हुए लगातार दूसरी बार फोडे विश्व कप के क्वाटर फाइनल में प्रवेश कर लिया है और ऐसा करने वाले वह विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। अर्जुन ने आज काले मोहरो से इर्टेलियन ओपनिंग में अपने शानदार खेल से अरोनियन के राजा की ओर बढ़िया दबाव बनाया और उनके सभी मोहरे सक्रियता से अरोनियन के राजा की तरफ खेल रहे थे और ऐसे में अरोनियन के मोहरो पर दबाव पड़ रहा था ऐसे में खेल की 42वीं चाल में अरोनियन ने अपने हाथी को अर्जुन के हाथी से बदलने के लिए सामने रखा जो एक बेहद बड़ी भूल थी और इसके बाद अर्जुन ने बिना कोई समय गवाये अपना घोड़ा कुर्बान करने के इरादे से आगे बढ़ाया और अरोनियन के वजीर पर हमला कर दिया , ऐसे में अरोनियन के पास या तो मात कराने या अपना हाथी देने के अलावा कोई चारा नहीं



बचा पर उन्होंने खेल भावना का परिचय देते हुए मुस्कराकर हार स्वीकार करते हुए अर्जुन को बधाई दी । ज्ञात हो की दो दिन पहले अरोनियन ने कहा था की वह अर्जुन के खेल के प्रशंसक हैं और उनके साथ ही प्री क्वाटर फाइनल खेलना चाहते हैं । अब अर्जुन को क्वाटर फाइनल में चीन के वे यी का सामना करना पड़ेगा ।

वहीं भारत के पेंटला हरिकृष्ण ने आज भैंक्सको के होशे मार्टिनेज अलकांतारा से ड्रा खेला और अब उन्हें कल आगे बढ़ने के लिए टाईब्रेक

का सामना करना पड़े गा । अन्य खिलाड़ियों में उर्वेक्सि सतान के जावोअर सिंदारोव ने जर्मनी के स्वाने फेडरिक को कल की जीत के बाद आज ड्रा पर रोका और क्वाटर फाइनल में स्थान बनाया तो उनके ही हमवतन याकुब्जोएव नोदिरबेक ने अर्मेनिया के सर्गिशियन गैब्रियल को मात देते हुए अगले दौर में जगह बनाई वहीं चीन के वे यी ने यूएस के सेवियन सैमुअल को पराजित कर दिया । अन्य बाजियों ड्रा रही।

अब कल टाईब्रेक में भारत के हरिकृष्ण से भैंक्सको के होसे , रूस के डैनियल डुबोव से यूएसए के सैम शंकलैंड , जर्मनी के अल्फ्रेडो डीनचेंको से वियतनाम के ले केक्रांग लीम और रूस के अलेक्सी ग्रेबनेव से रूस के आंद्रे एमिपेंको आंतिम आठ में जगह बनाने के लिए खेलेगे ।

तैराकी - ओलंपिक में कब शामिल हुआ ये रोमांचक खेल

नई दिल्ली, एंजेंसी। इतिहास में कभी किसी व्यक्ति ने अगर किसी नदी या तालाब को पार किया होगा, तो उसे शायद ही इसका अनुमान रहा होगा कि आगे चलकर यह प्रथा एक खेल के रूप में विकसित होगी और तैराकी के नाम से जानी जाएगी। उस दिन से तैराकी काफी आगे निकल चुकी है और अब लंबे समय से ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर एक रोमांचक खेल के रूप में प्रतिष्ठित है। अगर इतिहास पर गौर करें तो लगभग 7000 ईसा पूर्व की गुफा चित्रों में तैराकी के प्रमाण मिलते हैं। प्राचीन मिस्र, ग्रीस और रोम में तैराकी सैन्य प्रशिक्षण, मनोरंजन और स्वास्थ्य का हिस्सा थी। आगे चलकर 19वीं सदी में ब्रिटेन में तैराकी क्लब बने। धीरे-धीरे तैराकी का विकास एक खेल के रूप में हुआ और इसे 1896 के ओलंपिक में शामिल किया गया। महिला तैराकों को ओलंपिक में हिस्सा लेने का मौका 1912 से मिला। 20वीं सदी में तकनीकी प्रगति हुई। फ्लिपर्स, गॉगल्स और स्पीडो सूट जैसे उपकरण आए। फेडरेशन इंटरनेशनल ली नेटेशन की स्थापना 1908 में हुई, जो नियम निर्धारित करती है। समय के साथ तैराकी में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक,



ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई शैलियां विकसित हुईं। 1896 ओलंपिक से शुरू हुआ तैराकी का वैश्विक सफर 2024 ओलंपिक तक एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हो गया है। आज की तारीख में तैराकी को खेल के साथ-साथ फिटनेस के दृष्टिकोण से भी बेहद अहम माना जाता है।

ओलंपिक खेलों में तैराक के रूप में अमेरिका के माइकल फेल्ट्स सबसे सफल हैं। फेल्ट्स ने ओलंपिक

में कुल 28 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वह न सिर्फ तैराकी में बल्कि किसी भी इवेंट में ओलंपिक इतिहास के सबसे सफल और सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाले एथलीट हैं। तैराकी के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था वाले देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, और सिंगापुर का नाम आता है। सिंगापुर ने रियो ओलंपिक में तैराकी में गोल्ड जीता था। इसके अलावा, स्वीडन, नोर्दलैंड, नॉर्वे,

और फिनलैंड में भी तैराकी काफी लोकप्रिय है। अगर भारत की बात करें तो, तैराकी अभी विकासशील अवस्था में है। देश में स्विमिंग पूल की कमी, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रमुख बाधा है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया नियमित रूप से राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करता है। भारत सरकार लगातार खेलों इंडिया के माध्यम से इस खेल को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है।

छत्तीसगढ़ शासन जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए संकल्पित : मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के पावन अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आज जगदलपुर के सिटी ग्राउंड में विभिन्न जनजातीय समाज के प्रमुखों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री का पारंपरिक सिहाड़ी माला, पगड़ी (साफा) और एक विशाल गजमाला भेंट कर सम्मान किया गया, जिसने पूरे आयोजन में सांस्कृतिक उल्लस भर दिया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सिटी ग्राउंड, जगदलपुर में बस्तर की आराध्य देवी मां दत्तेश्वरी और भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र सहित जनजातीय देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर जनजातीय



गौरव दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

मुख्यमंत्री ने जनजातीय उत्थान और सम्मान के लिए उठाए गए ऐतिहासिक विवाजपेयी जी के दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया, जिनके कार्यकाल में ही आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों का गठन किया गया। मुख्यमंत्री ने इसे जनजातीय पहचान को सम्मान देने और उनके त्वरित विकास की दिशा में युगांतरकारी निर्णय बताया। इसके

अतिरिक्त, वाजपेयी जी ने ही जनजातीय हितों की रक्षा और विकास हेतु एक अलग 'जनजातीय कार्य मंत्रालय' का गठन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' घोषित कर पूरे राष्ट्र में जनजातीय नायकों के सम्मान की एक ऐतिहासिक परंपरा स्थापित की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आदिवासी समुदाय के 'धरती आबा' के नाम से पूजनीय बिरसा मुंडा ने 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और स्थानीय शोषकों के खिलाफ एक अभूतपूर्व क्रांति का सूत्रपात किया था, जिसे इतिहास में 'उलगुलान' के नाम से जाना जाता है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महाराजपुर से धान खरीदी का किया शुभारंभ

महाराजपुर से धान खरीदी का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड स्थित महाराजपुर धान उपार्जन केंद्र में आज उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महापर्व का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने परम्परागत रूप से तौल यंत्रों की पूजा-अर्चना कर, किसानों का तिलक करते हुए श्रीफल भेंट किया। उन्होंने खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत कर किसानों का उत्साहवर्धन किया।

इस दौरान ग्राम कांफा के किसान श्री भगत कौशिक से 36 क्विंटल धान का विक्रय किया गया। उन्होंने किसान के साथ मिलकर धान का तौल कराया एवं किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को जाना। उल्लेखनीय है कि महाराजपुर उपार्जन केंद्र के अंतर्गत महाराजपुर, कांफा, जीताटोला और डगनिया के कुल 769 पंजीकृत किसान हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने



किसानों से आत्मीय चर्चा कर उपार्जन केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, टोकन व्यवस्था एवं खरीदी प्रक्रिया का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 'मोदी की गारंटी' को पूरा करते हुए किसानों के हित में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिससे किसानों को लाभ, सुचारु व्यवस्था और समय पर

भुगतान सुनिश्चित हो सकेगा। उपमुख्यमंत्री ने सभी किसानों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण, उनकी आय वृद्धि और कृषि क्षेत्र के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सुव्यवस्थित खरीदी प्रबंधन से इस वर्ष भी किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2025 अंतर्गत कोंडगांव जिले के मुलमुला धान खरीदी केन्द्र से बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक सुश्री लता उसेण्डी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया। कोण्डगांव विकासखण्ड के ग्राम मुलमुला स्थित उपार्जन केन्द्र में विधायक सुश्री उसेण्डी ने धान बेचने वाले किसान को पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया और धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया। साथ ही उनका शाल एवं श्रीफल भेंटकर उनका सम्मान भी किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना भी उपस्थित रही।

विधायक सुश्री उसेण्डी ने कार्यक्रम धान खरीदी के शुभारंभ अवसर पर सभी किसानों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य आज से प्रारंभ हो गया है और पारदर्शी ढंग से धान खरीदी हेतु सभी तैयारियां



की गई है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा किसान आर्थिक रूप से संपन्न हों, इसके लिए किसानों के हित में किसान किसान निधि योजना सहित कई योजनाएँ संचालित हैं। आप सभी इसके प्रति जागरूक हों और अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश भर में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत 15 नवंबर से शुरू हो गई। इसी क्रम में जिले के 67 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी का कार्य का प्रारंभ हो गया है। शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा

खरीदी केन्द्रों में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। शासन द्वारा ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था की गई है, जिससे किसान अपने घर पर ही मोबाईल एप टोकन तुंहर हाथ के माध्यम से टोकन कटा सकते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री नंदलाल राठौर, जपाद सदस्य श्रीमती लालमती देवांगन, श्री जीतु सुराना एवं विभिन्न गांव के सरपंचाण सहित एसडीएम तहसीलदार , खाद्य अधिकारी सहकारिता विभाग के अधिकारी सहित खरीदी केन्द्र के समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में कोरबा में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम आयोजित

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर कोरबा जिले में राजीव गांधी ऑडिटोरियम में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नुपुरात के नर्मदा से वचुंअली आमजनों को संबोधित कर जनजाति गौरव दिवस की शुभकामनाएं दी साथ ही अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास किया। जिसके अंतर्गत कोरबा जिले में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय रामपुर एवं पीएम जनमन के तहत केराकछर में बहुउद्देशीय केन्द्र निर्माण कार्य शामिल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा स्वीकृत इन परियोजनाओं से शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और जनजीवन से जुड़े अनेक क्षेत्रों में गति आएगी, जिससे जनजातीय

समुदाय के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार होगा। जिला मुख्यालय कोरबा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके माध्यम से उनके त्याग, संघर्ष और समर्पण को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया। ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री श्री मोदी के उद्बोधन को आमजनों ने वचुंअली सुना एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री देवांगन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का संदेश (पाती)

उपस्थित जनसमूह को पढ़कर सुनाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संदेश में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा स्वतंत्रता संग्राम के महानायक, अद्वितीय जननेता और क्रांति के प्रतीक रहे हैं। उन्होंने आदिवासी समाज को जागृति, सम्मान और अधिकारों के लिए आंदोलन एवं जनजाति संस्कृति संरक्षण के लिए किए गए कार्यों के लिए धरती आबा के नाम से विख्यात है। उनके याद में आज का दिन जनजाति गौरव महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार भी उनके बलए मांगों में चलकर सभी योजनाओं काफ़त प्रतिशत लाभ आदिवासियों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे है।

मुख्य अतिथि श्री देवांगन ने अपने संबोधन में कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार जनजातीय समाज के शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, वनाधिकार तथा सांस्कृतिक संरक्षण के लिए निरंतर

कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जनजातीय क्षेत्रों में विकास की रफ़्तार तेज हुई है और शासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक सरलता से पहुंचे।

महापौर श्रीमती राजपूत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के ब्रिटिश शासन के प्रति उनके आंदोलन एवं जनजाति संस्कृति संरक्षण के लिए किए गए कार्यों के लिए धरती आबा के नाम से विख्यात है। उनके याद में आज का दिन जनजाति गौरव महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार भी उनके बलए मांगों में चलकर सभी योजनाओं काफ़त प्रतिशत लाभ आदिवासियों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे है।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आमजनों को जनजाति गौरव दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए महानायक भगवान बिरसा मुंडा के कार्यों पर प्रकाश डाला।

कांकेर जिले के धान खरीदी केंद्रों की व्यवस्था का लिया जायज़ा : सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने

समितियों का किया औचक निरीक्षण कर किसानों से किया संवाद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की आयुक्त श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने आज कांकेर जिले के धान खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। समर्थन मूल्य पर सुचारु धान खरीदी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उन्होंने चारामा तहसील के माहुद, चारामा, लखनपुरी और कांकेर तहसील के नांधिया नवागांव एवं सरोना स्थित खरीदी केन्द्रों की व्यवस्था का विस्तृत अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी

समस्याओं एवं आवश्यकताओं को जाना। उन्होंने धान विक्रय टोकन की प्रक्रिया का परीक्षण किया और किसानों को बताया कि टोकन सोसायटी मॉड्यूल के माध्यम से भी प्राप्त किए जा सकते हैं। सचिव ने जिला खाद्य अधिकारी और सहकारी बैंक के नोडल अधिकारियों से कम्प्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति, उनके प्रशिक्षण, नमी मापक यंत्र, बारदाना उपलब्धता, डेमेज एवं हमाल की व्यवस्था संबंधी जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीदी केन्द्रों में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

जिला खाद्य अधिकारी ने

बताया कि कांकेर जिले में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय हेतु 94 हजार 192 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है तथा 85 प्रतिशत बारदाना उपलब्ध करा दिया गया है। सचिव के द्वारा निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री अरुण वर्मा, खाद्य अधिकारी श्री जे.जे. नायक, उप पंजीयक सहकारी समिति श्री आशुतोष डडसेना, तहसीलदार चारामा श्री सतेन्द्र शुक्ल, नायब तहसीलदार श्री कृष्ण कुमार पाटले, तहसीलदार सरोना श्री मोहित साहू, सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी श्री मनोज वानखेडे तथा नान के जिला प्रबंधक श्री आकाश राही भी उपस्थित रहे।

जिले मे आज से धान खरीदी शुरू, झालखम्हरिया केंद्र में कैबिनेट मंत्री खुशवंत साहेब एवं विधायक द्वय योगेश्वर राजू सिन्हा, एवं संपत अग्रवाल की उपस्थिति में हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर 2025 से पूरे प्रदेश में विधिवत रूप से शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में जिला महासमुद्र के धान खरीदी केंद्र झालखमहरिया में आज खरीदी कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि आज किसानों के लिए उत्सव का दिन है। हमारा राज्य किसानों से ही समृद्ध है।यहां तक कि अयोध्या में श्री राम लला के लिए भोग यही छत्तीसगढ़ से लाई भेजा गया था ।आज से धान खरीदी की शुरुवात हो गई है पिछले साल भी रिकॉर्ड धान खरीदी किया गया था, इस साल भी रिकॉर्ड धान खरीद की जाएगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुर धान खरीदी की

किसानों की सुविधा का पूरा याल रखा जाएगाह खुशवंत साहेब



जा रही है। किसानों को बोनस एवं सभी समितियों में एटीएम की हितों का पूरा ध्यान रख रही है । उन्होंने कहा कि आज राज्य को 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। आज राज्य

भी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहे हैं। हमारी सरकार किसानों की हितों का पूरा ध्यान रख रही है । उन्होंने कहा कि आज राज्य को 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। आज राज्य

राज्यपाल डेका ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर किया नमन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया है। राजभवन में राज्यपाल ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेश एवं समस्त देशवासियों को विशेष रूप से सभी जनजातीय भाई-बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।



उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया धान खरीदी का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज बिलासपुर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत की। उन्होंने सेंदरी सोसाइटी में ग्राम कछर के किसान श्री रामकुमार साहू और श्री अनंतराम साहू का धान खरीद कर इसका विधिवत शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने धान खरीदी केंद्र पर दोनों किसानों का तिलक लगाकर स्वागत किया और उनके धान की तौलाई कर बोहनी किया। विधायक श्री सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी और कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि और किसान भी इस दौरान मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी प्रारंभ किसानों की मेहनत का सम्मान हमारा संकल्प - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भोर की पहली सुनहरी किरणों के साथ आज छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसे किसानों की मेहनत और सरकार पर उनके विश्वास का उत्सव बताते हुए कहा कि राज्य सरकार धान खरीदी को पूरी तरह व्यवस्थित, पारदर्शी और समन्वय रूप में संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली गई हैं और प्रदेश के सभी उपार्जन केंद्रों में आवश्यक आधारभूत सुविधाएँ पूरी तरह सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सभी जिलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। धान खरीदी व्यवस्था को तकनीक-सक्षम बनाते हुए सरकार ने इस वर्ष तुंहर टोकन एप, जीपीएस आधारित परिवहन, सतर्क एप, और कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर जैसे आधुनिक सिस्टम लागू किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कदम पर हमारी प्राथमिकता किसानों को सुविधा, सम्मानजनक खरीदी और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों का अटूट विश्वास ही छत्तीसगढ़ की गति की असली ताकत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की आत्मा हमारे किसान है। आज शुरू हो रही धान खरीदी उनके परिश्रम को सम्मान देने का अवसर है। धान खरीदी की शुरुआत के साथ ही प्रदेशभर में किसानों में उत्साह का माहौल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया और मजबूत तकनीकी व्यवस्था से इस बार की खरीदी और अधिक सहज और व्यवस्थित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्धि का यह सफर आज फिर एक नई उम्मीद और किसानों के अटूट विश्वास की रोशनी के साथ आगे बढ़ रहा है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया धान खरीदी महापर्व का शुभारंभ जिले में 75 दिनों तक चलेगा धान उपार्जन अभियान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खरीफ वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महापर्व का शुभारंभ आज पूरे प्रदेश के साथ कोरिया जिले में भी उत्साहपूर्वक हुआ। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आदिम जाति तथा सहकारी समिति, पटना में पहुंचकर धान खरीदी का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, जनप्रतिनिधि, किसान व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जिले में यह धान खरीदी 15 नवंबर से 31 जनवरी 2026 तक यानी पूरे 75 दिनों तक चलेगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के एक-एक दाने धान की खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष किसानों को पिछले वर्ष की तुलना में और अधिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। समिति में ग्राम छिंदिया के किसान रामजी साहू 40 क्विंटल धान बेचने पहुंचे थे। मंत्री श्री अग्रवाल ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सरकार किसानों, ग्रामीणों, आदिवासियों और महिलाओं की समृद्धि के लिए समर्पित है। जिले के बैकुंठपुर तथा सोनहत विकासखंड के उपार्जन केंद्रों में आज से धान खरीदी विधिवत प्रारंभ हुई। जिले में पहले दिन टोकन ऐप के माध्यम से 13 तथा समिति से एक टोकन जारी हुआ था इस तरह 11 गिरजापुर, जामपारा, झरनापारा, छिंदिया, सरवावा, धौराटिकरा, पटना, पोड़ी, रजौली, सोनहत तथा काटघोड़ी उपार्जन केंद्रों से 531 क्विंटल धान खरीदी की शुरुआत पहले दिन हो गई। धान खरीदी के

बनेगा। उन्होंने किसानों को बधाई दी।

इस अवसर पर महासमुद्र विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा एवं विधायक बसना श्री संपत अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनकी मौजूदगी में गांव के कुषक श्री दुर्गेश साहू के 40 क्विंटल धान की तुलाई कर खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की गई। इससे केंद्र में खरीदी का वातावरण और अधिक उत्साहपूर्ण हो गया। धान खरीदी केंद्र में किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण कर ली गई हैं। प्रशासनिक अमले एवं समिति के कर्मचारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर किसान को समय पर, व्यवस्थित और बिना किसी परेशानी के धान बेचने की सुविधा मिले।